राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE
सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 54 | जौनपुर मंगलवार, 07 अक्टूबर 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

राज्य सरकार गन्ना मिलों से उगाही पर करे पुनर्विचार – शरद पवार

मुंबई, (एजेंसी)। एनसीपी (शरदचंद्र पवार) प्रमुख शरद पवार ने महाराष्ट्र सरकार पर मुख्यमंत्री राहत कोष (सीएमआरएफ) में योगदान के नाम पर बारिश से प्रभावित किसानों की मदद के बजाय गन्ना किसानों से जबरन वसूली का आरोप लगाया है। उन्होंने सरकार से गन्ना मिलों से उगाही करने पर पुनर्विचार करने को कहा है। शरदचंद्र पवार का यह आरोप सीएमआरएफ के जरिये प्रभावित किसानों को राहत देने के लिए मिलों में गन्ने पर लेवी लगाने के सरकार के कदम पर आया है। पवार ने कहा कि मुझे आश्चर्य है कि महाराष्ट्र सरकार ने बाढ़ से प्रभावित मराठवाड़ा के किसानों को वित्तीय मदद देने के लिए गन्ना किसानों से अतिरिक्त जबरन धन वसूलनी का फैसला किया है। मैं सरकार से उसके इस फैसले पर पुनर्विचार करने की अपील करता हूं। सरकार ने बीते हफ्ते सीएमआरएफ के लिए मिलों पर 10 रुपये प्रति टन गन्ने और बाढ़ प्रभावित किसानों की सहायता के लिए 5 रुपये प्रति टन लेवी लगाने का फैसला किया था। वहीं, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को साफ किया कि यह योगदान गन्ना मिलों के मुनाफे से आएगा, किसानों की कमाई से नहीं।

बिहार चुनाव में सुरक्षा का अभेद्य घेरा, 500 से अधिक सीएपीएफ कंपनियां होंगी तैनात

बिहार, (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले सुरक्षा तैयारियों के तहत 500 से अधिक सीएपीएफ कंपनियों को तैनात किया जा रहा है, जिसका लक्ष्य शांतिपूर्ण और निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करना है। यह तैनाती बूथ कैप्चरिंग और चुनावी हिंसा जैसी ऐतिहासिक चुनौतियों को रोकने के लिए महत्वपूर्ण है, और इसकी कुल संख्या बढ़कर 1,600 कंपनियों तक जा सकती है। यह कदम बिहार की चुनावी प्रक्रिया में विश्वसनीयता बढ़ाने की दिशा में एक अहम प्रयास है। सुरक्षा तैयारियों के एक बड़े कदम के तहत, बिहार में आगामी विधानसभा चुनावों से पहले 5,000 से अधिक कर्मियों वाली केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) की 500 से अधिक कंपनियों को पूरे बिहार में तैनात करने के लिए चिह्नित किया गया है। इस तैनाती में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 121 कंपनियां और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की लगभग 400 कंपनियां शामिल हैं, साथ ही भारत–तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी), केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) जैसे अन्य सीएपीएफ की टुकड़ियाँ भी शामिल हैं। 400 कंपनियों में से, बीएसएफ की 99 कंपनियां पहले ही बिहार पहुंच चुकी हैं, और अन्य सीएपीएफ टुकड़ियों की आवाजाही जारी है। सूत्रों के अनुसार, सुरक्षा आकलन और गृह मंत्रालय (एमएचए) के आगे के निर्देशों के आधार पर कंपनियों की कुल संख्या बढ़ सकती है।

संघ-भाजपा के संस्कारों से परिपूर्ण विजय मल्होत्रा का जीवन : पीएम मोदी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कुछ दिन पहले, भारतीय जनता पार्टी परिवार ने अपने सबसे वरिष्ठ नेताओं में से एक, विजय कुमार मल्होत्रा जी को खो दिया। उन्होंने अपने जीवन में बहुत–सी उपलब्धियां हासिल कीं। इससे भी अधिक महत्वपूर्ण ये है कि उन्होंने कठोर परिश्रम, दृढ़ निश्चय और सेवा से भरा जीवन जिया। उनके जीवन को देखकर समझा जा सकता है कि आरएसएस, जनसंघ और भाजपा के मूल संस्कार क्या हैं। विपरीत परिस्थितियों में साहस का प्रदर्शन, स्वयं से ऊपर सेवा भावना, साथ ही राष्ट्रीय और सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति गहरी प्रतिबद्धता उनके व्यक्तित्व की बहुत बड़ी पहचान रही। वीके मल्होत्रा जी के परिवार ने विभाजन का भयावह दौर झेला। उस आघात और विस्थापन ने उन्हें कड़वा या आत्मकेंद्रित नहीं बनाया। इसके बजाए, उन्होंने स्वयं को दूसरों की सेवा में समर्पित कर दिया। उन्हें आरएसएस और जनसंघ की विचार धारा में राष्ट्रसेवा का रास्ता नजर आया। बंटवारे का वो समय बहुत चुनौतीपूर्ण था। मल्होत्रा जी ने सामाजिक कार्यों को अपने जीवन का लक्ष्य बना लिया। उन्होंने उन हजारों विस्थापित परिवारों की मदद की, जिन्होंने सब कुछ खो दिया था। उनका जीवन संवारने और उन्हें फिर से खड़े होने में मदद की। यही जनसंघ की प्रेरणा थी। उन दिनों उनके साथी मदनलाल खुराना जी और केदारनाथ साहनी जी भी बढ़–चढ़कर सेवा कार्यों में शामिल होते थे। उन लोगों की निस्वार्थ सेवा को आज भी दिल्ली के लोग याद करते हैं। 1967 के लोकसभा और कई राज्यों के विधानसभा चुनाव तब अपराजेय मानी जाने वाली कांग्रेस के लिए चौंकाने वाले रहे थे।

केंद्र सरकार बाढ़ प्रभावित किसानों को आर्थिक सहायता देगी – अमित शाह

शिर्डी। महाराष्ट्र में हाल की अतिवृष्टि और बाढ़ से प्रभावित किसानों के लिए केंद्र सरकार जल्द ही बड़ी सहायता राशि देने जा रही है। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को यह आश्वासन दिया। शाह ने कहा कि जैसे ही महाराष्ट्र सरकार नुकसान का विस्तृत आकलन केंद्र को भेजेगी, बिना किसी देरी के किसानों के लिए राहत पैकेज जारी किया जाएगा। कहा–जब पूरा विपक्ष एकजुट था तो सरकार ने सीजफायर क्यों किया? अमित शाह की ओर से यह घोषणा पद्मश्री डॉ. विठ्ठलराव विखे पाटिल और पद्मभूषण डॉ. बालासाहेब विखे पाटिल की पूर्णाकृति प्रतिमाओं के अनावरण और पद्मश्री डॉ. विठ्ठलराव विखे पाटिल सहकारी चीनी कारखाने के नवीनीकरण के शुभारंभ के अवसर पर की गई। इस मौके पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री अजित पवार, केंद्रीय सहकार राज्यमंत्री मुरलीधर मोहोळ, राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुळे, जलसंपदा मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल, पर्यावरण मंत्री पंकजा मुंडे और कई जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। 3,132 करोड़ रुपए की सहायता स्वीकृत की है, जिसमें से अप्रैल माह में ही 1,631 करोड़ रुपए वितरित किए जा चुके हैं। इनमें महाराष्ट्र को विशेष रूप से 215 करोड़ रुपए का पैकेज दिया गया है। शाह ने बताया कि सरकार ने किसानों की राहत के लिए ऋण वसूली पर अस्थायी रोक और छात्रों को परीक्षा में रियायत जैसी घोषणाएं भी की हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार किसानों के हित में लगातार काम कर रही है। केंद्र ने सहकारी चीनी मिलों का 10,000 करोड़ रुपये से अधिक का आयकर माफ किया है, जिससे हर साल लगभग 100 करोड़ रुपये का कर भार कम हुआ है।

रक्षा मंत्री करेंगे दो दिवसीय ऑस्ट्रेलिया दौरा, दोनों देशों के बीच तीन समझौते होने की संभावना

नई दिल्ली, (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह गुरुवार से दो दिवसीय दौरे पर ऑस्ट्रेलिया जा रहे हैं, जिसका मकसद द्विपक्षीय रक्षा और रणनीतिक संबंधों को और मजबूत करने के लिए नई और सार्थक पहलों की तलाश करना है। राजनाथ सिंह की यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच तीन समझौतों पर हस्ताक्षर होने की संभावना है, जो सूचना को साझा करने, समुद्री सुरक्षा बढ़ाने और संयुक्त गतिविधियों के क्षेत्रों में सहयोग को आगे बढ़ाएंगे। इस वार्ता के दौरान हिंद.प्रशांत क्षेत्र की मौजूदा स्थिति की विस्तार से समीक्षा की जाएगी, खासकर क्षेत्र में चीन की आक्रामकता के मद्देनजर। नरेंद्र मोदी सरकार में 2014 के बाद किसी रक्षा मंत्री का यह पहला ऑस्ट्रेलिया दौरा होगा। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यह यात्रा एक ऐतिहासिक क्षण पर हो रही है, जब भारत और ऑस्ट्रेलिया रणनीतिक साझेदारी की स्थापना की पांचवीं वर्षगांठ मना रहा हैं। ऑस्ट्रेलिया की उप प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्ल्स के निमंत्रण पर राजनाथ सिंह यह दौरा कर रहे हैं। मंत्रालय ने बयान में कहा कि यह दौरा द्विपक्षीय संबंध और रक्षा भागीदारी को और मजबूत करने के लिए नई और सार्थक पहलों को खोजने का एक महत्वपूर्ण अवसर होगा। इस यात्रा की एक खास बात राजनाथ सिंह की अपने ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष के साथ द्विपक्षीय वार्ताएं होंगी। राजनाथ सिंह सिडनी में एक बिजनेस राउंडटेबल की अध्यक्षता भी करेंगे, जिसमें दोनों देशों के उद्योग जगत के नेता शामिल होंगे। वह ऑस्ट्रेलिया के अन्य राष्ट्रीय नेताओं से भी मिलेंगे। पिछले कुछ वर्षों में भारत.ऑस्ट्रेलिया रक्षा संबंधों का विस्तार हुआ है, जिसमें क्षमता निर्माण, प्रशिक्षण, जहाजों के दौरे और द्विपक्षीय अभ्यास शामिल हैं।

हर चेहरे पर खुशी और संतुष्टि ही सरकार की प्राथमिकता है : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को जनता दर्शन कार्यक्रम में फरियादियों की समस्याएं सुनी और अधिकारियों को उनके समुचित निस्तारण के निर्देश देते हुए कहा कि हर चेहरे पर खुशी और संतुष्टि ही सरकार की प्राथमिकता है। आदित्यनाथ ने सोमवार की सुबह जनता दर्शन कार्यक्रम में प्रदेश के 50 से अधिक लोगों की फरियाद सुनीं। मुख्यमंत्री एक–एक करके सभी के पास पहुंचे, उनका प्रार्थना पत्र लिया और अफसरों को तत्काल उचित निराकरण का निर्देश दिया। राज्य सरकार द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक जनता दर्शन में लोग पुलिस, बिजली, राजस्व से जुड़े प्रकरण, नौकरी, आर्थिक सहायता आदि की मांग को लेकर पहुंचे। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि किसी के चेहरे पर खुशी लाना ही ईश्वर की सेवा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार हर पीड़ित को खुशहाल करने की भावना से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का बिना भेदभाव सभी को लाभ मिल रहा है और जनता दर्शन के माध्यम से भी समस्याओं का निराकरण कराया जा रहा है। इससे पहले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा था कि राज्य कर विभाग में तैनाती का आधार केवल ''प्रदर्शन'' होगा और निर्देश दिए कि क्षेत्र (फील्ड) में केवल उन्हीं अधिकारियों को तैनात किया जाए, जो लक्ष्य प्राप्ति के प्रति प्रतिबद्ध हों तथा जिनकी छवि साफ–सुथरी हो। मुख्यमंत्री रविवार को राज्य कर विभाग की राजस्व प्राप्तियों की अद्यतन स्थिति की समीक्षा कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जोनल अधिकारियों से सीधा संवाद किया। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जीएसटी में सुधार के बाद बाजार में तेजी देखी जा रही है और आने वाले महीनों में इसके सकारात्मक परिणाम अवश्य दिखाई देंगे। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि धनतेरस और दीपावली के अवसर पर अनावश्यक जांच अथवा छापेमारी से बचा जाए। व्यापारियों और उद्यमियों के उत्पीड़न की कोई शिकायत कहीं से भी नहीं आनी चाहिए।

पीओके हमारा कमरा, उसे लेकर रहेंगे : मोहन भागवत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। संपूर्ण भारत की एकता पर जोर देते हुए, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने भारत के विभाजन का जिक्र किया और कहा कि हमारे घर का एक कमरा जो किसी ने हड़प लिया है, उसे वापस लेना होगा। सतना में सिंधी कैंप में एक गुरुद्वारे का उद्घाटन करने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए, भागवत ने कहा कि भारत के विभाजन ने उन लोगों को विस्थापित कर दिया जिन्हें अपना घर और सामान छोड़ना पड़ा। भागवत ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को भारत का एक कमरा बताया जिस पर अजनबियों ने कब्जा कर लिया है और कहा कि इसे वापस लेना ही होगा। भागवत ने कहा, कई सिंधी भाई यहाँ बैठे हैं। मुझे बहुत खुशी है। वे पाकिस्तान नहीं गएय वे अविभाजित भारत गए। परिस्थितियों ने हमें उस घर से यहाँ भेजा है क्योंकि वह घर और यह घर अलग नहीं हैं।ष इस पर उपस्थित लोगों ने जोरदार तालियाँ बजाईं। उन्होंने कहा कि पूरा भारत एक घर है, लेकिन किसी ने हमारे घर का एक कमरा हटा दिया है जहाँ मेरी मेज, कुर्सी और कपड़े रखे रहते थे। उन्होंने उस पर कब्जा कर लिया है। कल मुझे उसे वापस ले जाना होगा। आरएसएस प्रमुख की यह टिप्पणी पीओके में बढ़ती अशांति के बीच आई है, जहाँ स्थानीय लोग पाकिस्तानी शासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। हजारों निवासी अवामी एक्शन कमेटी (एएसी) द्वारा आयोजित रैलियों में शामिल हुए और आर्थिक सहायता और राजनीतिक सुधारों की मांग की। संघ प्रमुख ने कहा, ''आज हम लोगों की स्थिति ऐसी है कि हम एक टूटा हुआ आईना देखकर अपने आपको अलग मान रहे हैं। एकता चाहिए... झगड़ा क्यों है? चाहे हम अपने आप को किसी भी या संप्रदाय का कहें लेकिन यह सत्य है कि हम सब एक हैं। हम सब लोग हिन्दू हैं।'' भागवत ने कहा कि एक चतुर अंग्रेज यहां आया, हमसे लड़ाई की, हमें हराकर हम पर राज किया। उन्होंने कहा कि उसने हमारे हाथ से आध्यात्मिकता का दर्पण छीन लिया और उसकी जगह भौतिकवाद का टूटा हुआ दर्पण थमा दिया। तब से हम खुद को अलग–अलग मानने लगे और छोटी–छोटी बातों पर झगड़ने लगे। उन्होंने यह भी कहा कि यह प्रसन्नता की बात है कि बंटवारे के समय सिंधी समुदाय के लोग पाकिस्तान नहीं गए।

केजरीवाल ने सांवत पर लगाए परिवारवाद के आरोप

पणजी, (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने गोवा की राजनीति पर पारिवारिक वंशवाद का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि पिछले 60 वर्षों से राज्य की सत्ता केवल 13–14 परिवारों के हाथों में केंद्रित रही है। उन्होंने यह भी कहा कि हाल ही में सीएम प्रमोद सावंत अपनी पत्नी को चुनाव में उतारने की तैयारी कर रहे हैं, जिससे स्पष्ट होता है कि गोवा में सत्ता और संसाधनों पर परिवारों का चक्र बना हुआ है। केजरीवाल ने आगे आरोप लगाया कि ये परिवार पीढ़ी दर पीढ़ी सत्ता में बने रहने के लिए चुनाव लड़ते रहे हैं, जनता के हित की बजाय अपने निजी लाभ को प्राथमिकता देते हैं। आगे केजरीवाल ने कहा कि यह केंद्रीकरण केवल सत्ता तक सीमित नहीं है। उन्होंने कहा कि भारी खनन व्यवसाय, बड़े ठेके और जमीनें भी इन परिवारों के हाथ में हैं। जनता को अपने संसाधनों पर कोई अधिकार नहीं है। यही वजह है कि गोवा की राजनीति केवल कुछ परिवारों के स्वार्थ के लिए चल रही है। उन्होंने कहा कि यह समस्या सिर्फ बीजेपी में नहीं, बल्कि कांग्रेस में भी है। दोनों पार्टियां परिवारवाद के घेरे में हैं और बड़ी नीतिगत फैसलों में जनता की हिस्सेदारी नहीं है। इस दौरान केजरीवाल ने गोवा में आप की सरकार बनाने का भी दावा दिया। उन्होंने कहा कि जनता ने बीजेपी और कांग्रेस दोनों से विश्वास खो दिया है, और 2027 में आपअकेले सत्ता में आएगी।

भगवान परशुराम का जीवन ज्ञान, साहस और मर्यादा का अद्भुत संगम है – रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने कहा है कि भगवान परशुराम जी का जीवन ज्ञान, साहस और मर्यादा का अद्भुत संगम है। उनके आदर्श हमें यह सिखाते हैं कि धर्म का सार केवल आचरण में नहीं, बल्कि समाज के प्रति उत्तरदायित्व भी है। मुख्यमंत्री ने यह विचार आज अंतरराज्यीय ब्राह्मण सम्मेलन में व्यक्त किए। यह कार्यक्रम पीतमपुरा स्थित वेस्ट एन्क्लेव में श्री मैथिली ब्राह्मण सभा, दिल्ली प्रदेश द्वारा आयोजित किया गया था। मुख्यमंत्री के अनुसार ब्राह्मण समाज ने सदैव ज्ञान, संस्कृति और धर्म के माध्यम से समाज को दिशा दी है। उन्होंने यह भी कहा कि दिल्ली सरकार का लक्ष्य हर वर्ग के लोगों को समान अवसर और सभी समुदायों के योगदान को सम्मान के साथ स्वीकार करना है। इस कार्यक्रम में दिल्ली सरकार के समाज कल्याा मंत्री श्री रविन्द्र इन्द्रराज सिंह, हरियाणा सरकार के मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा, विधायक श्रीमती पूनम भारद्वाज सहित अनेक गणमान्यजन, सामाजिक प्रतिनिधि और विभिन्न राज्यों से आए ब्राह्मण समाज के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने समाज के प्रतिनिधियों को भगवान परशुराम जी के जीवन, आदर्शों और शिक्षाओं से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने समाज की एकजुटता को उसकी सबसे बड़ी शक्ति बताते हुए कहा कि संगठित समाज ही वास्तविक प्रगति कर सकता है। मुख्यमंत्री का यह भी कहना था कि ब्राह्मण समाज केवल शास्त्रों के उपासक नहीं बल्कि शस्त्र के भी रक्षक रहे हैं, जिन्होंने धर्म, शिक्षा और सद्भावना की लौ को जलाए रखा है। मुख्यमंत्री ने दिल्ली के विकास की दिशा में सभी वर्गों से सहयोग की अपील की और कहा कि अब समय आ गया है कि दिल्ली अपने विकास की गति तेज करे और विकसित राजधानी के रूप में उदाहरण बने। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार का लक्ष्य है कि हर वर्ग के लोगों को समान अवसर मिले और सभी समुदायों के योगदान को सम्मान के साथ स्वीकार किया जाए। उन्होंने उपस्थित जनसमूह का आभार व्यक्त करते हुए।

जयपुर अग्निकांड - मिले उचित मुआवजा, हो त्वरित जांच : प्रियंका गांधी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने सोमवार को जयपुर के सवाई मान सिंह अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में लगी भीषण आग से प्रभावित परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। प्रियंका गांधी ने एक्स पर एक पोस्ट में राज्य सरकार से प्रभावित परिवारों को उचित मुआवजा देने और घटना की गहन जांच कराने की अपील की। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया कि जयपुर के एक सरकारी अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में आग लगने से कई मरीजों की दर्दनाक मौत की खबर बेहद हृदयविदारक है। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदना। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करती हूँ। कांग्रेस नेता ने भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। पोस्ट में लिखा था, मैं राज्य सरकार से प्रभावित परिवारों को उचित मुआवजा देने, इस घटना की त्वरित जाँच करने और ऐसी घटना की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए कड़ी कार्रवाई करने की अपील करता हूँ। रविवार देर रात जयपुर के एसएमएस अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर के आईसीयू में आग लग गई। जयपुर के पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसेफ ने इस दुखद हादसे में छह लोगों की मौत की पुष्टि की। पुलिस आयुक्त ने एएनआई को बताया कि प्रथम दृष्टया आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी थीय इस बीच, फोरेंसिक टीम कारण का पता लगाने के लिए जाँच कर रही है। राजस्थान कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने सरकार की लापरवाही की आलोचना करते हुए उस पर भ्रष्टाचार में लिप्त होने का आरोप लगाया। डोटासरा ने एएनआई को बताया कि सिस्टम की लापरवाही ने कई लोगों की जान ले ली है... राज्य सरकार पूरी तरह से विफल रही है... लोग कफ सिरप पीकर मर रहे हैं और स्वास्थ्य मंत्री दवा कंपनियों को क्लीन चिट दे रहे हैं... राज्य सरकार भ्रष्टाचार में लिप्त है...। इस बीच, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के गोपाल शर्मा ने घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और पीड़ितों के परिवारों के लिए उचित मुआवजे की मांग की। भाजपा विधायक ने एएनआई से कहा, यह घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। परिवारों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है। शोक संतप्त परिवारों को उचित मुआवजा दिया जाना चाहिए।

संपादकीय

मासूम मौतें, बेफिक्र सरकार

भाजपा शासित मध्यप्रदेश और राजस्थान में पिछले एक महीने में कम से कम 15 बच्चों की मौत केवल इसलिए हुई है क्योंकि उन्हें दवा के नाम पर जहर पीने को मिला। यूं तो निर्दोषों की अकाल मौत पर दुख होता है, नाराजगी होती है, लेकिन मासूम बच्चे जब सरकारी लापरवाही का शिकार होकर दम तोड़ें तो दुख और नाराजगी के साथ बेबसी भी जाहिर होती है कि आखिर हम किस तरह के शासन में रह रहें हैं, जहां कुछ लोगों के लालच और फायदे में मासूमों की जान चली जाए और इस पर केवल अफसोस की रस्म अदायगी हो। दोनों जगह भाजपा की सरकार है तो अब इस्तीफे की उम्मीद करना बेकार है। याद करें, उत्तरप्रदेश में इसी तरह ऑक्सीजन की कमी से कई बच्चों की मौत हो गई थी और बजाय दोषियों को सजा देने के, इसमें भी हिंदू–मुसलमान का एंगल तलाश लिया गया। अब मध्यप्रदेश और राजस्थान में भी कांग्रेस भाजपा सरकार के मंत्रियों से इस्तीफे तो मांग रही है, लेकिन इस मांग की कहीं सुनवाई नहीं होगी, यह तय है। कायदे से तो देश का प्रधानमंत्री होने के नाते नरेन्द्र मोदी को खुद इस पर संज्ञान लेना चाहिए। उन्हें पं.नेहरू की तरह बच्चों का पसंदीदा बनने का बड़ा ख्वाब है, इसीलिए परीक्षा पर चर्चा करते हैं, अपनी रैलियों में बच्चों से मिलते हैं, लेकिन नेहरूजी या शास्त्रीजी की तरह नैतिक हिम्मत दिखाकर शासन नहीं कर सकते। वैसे भी श्री मोदी का सारा ध्यान इस समय बिहार चुनाव पर लगा है, इसके बाद तमिलनाडु, केरल, प.बंगाल, असम पर फोकस चला जाएगा। मध्यप्रदेश और राजस्थान तो भाजपा जीत ही चुकी है, इसलिए अब यहां कुछ भी होता रहे, कम से कम अगले चुनावों तक उसे फर्क नहीं पड़ेगा। मध्यप्रदेश और राजस्थान में कफ सिरप पीने के बाद बच्चों की मौत हुई है। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में 7 सितंबर से 2 अक्टूबर के बीच कुल 11 बच्चों की किडनी खराब होने से मौत हो चुकी है, और कम से कम पांच बच्चे अस्पताल में भर्ती हैं, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर है। बताया जा रहा है कि ज्यादातर बच्चों की मौत किडनी को चोट पहुंचने से हुई है। बच्चों की रीनल बायोप्सी जांच के बाद यह पता चला था कि किसी जहरीले पदार्थ से किडनी को चोट पहुंची और उसने काम करना बंद कर दिया जिसके बाद बच्चों की मौत हुई। इन बच्चों ने कफ सिरप पी थी और उसमें ही जहरीला पदार्थ होने की बात सामने आई है। कोल्ड्रिफ नाम के इस कफ सिरप में अत्यधिक जहरीली रसायन डायथाइलीन ग्लाइकॉल की मौजूदगी पाई गई। इसके बाद शनिवार को मध्यप्रदेश सरकार ने इस सिरप की बिक्री, वितरण और निपटान पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया। यह फैसला लैब टेस्ट की रिपोर्ट के आधार पर लिया गया, जिसमें सिरप को श्अधिकारिक रूप से खराब और मिलावटीश घोषित किया गया। कोल्ड्रिफ को तमिलनाडु के एक संयंत्र में बनाया जा रहा था। जब तमिलनाडु सरकार में इसकी शिकायत की गई तो फौरन ही सिरप की जांच कराई थी, जिसमें पाया गया कंपनी गलत ढंग से सिरप को तैयार कर रही थी। इसके बाद तमिलनाडु सरकार ने 1 अक्टूबर 2025 को ही इस सिरप की बिक्री पर रोक लगा दी, क्योंकि इसमें तमाम जानलेवा बैक्टीरिया छोटे बच्चों की मौत की वजह बने। लेकिन बताया जा रहा है कि तमिलनाडु सरकार की जांच रिपोर्ट जब सार्वजनिक हुई तो केंद्र सरकार की एजेंसियों ने तमिलनाडु सरकार की रिपोर्ट को झुठलाने की कोशिश की। बेशक यह कफ सिरप तमिलनाडु के कांचीपुरम जिले में स्थित श्रीसन फार्मास्युटिकल्स में बन रहा था। लेकिन कंपनी पर कार्रवाई का अधिकार केंद्र सरकार और केंद्रीय एजेंसियों के पास है। लिहाजा कार्रवाई की पहल वहीं से होनी चाहिए थी। तमिलनाडु के ड्रग कंट्रोलर ने कहा कि केंद्र सरकार को इस जांच रिपोर्ट से अवगत कराया गया लेकिन वहां से कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई।गनीमत यह है कि मध्यप्रदेश और राजस्थान सरकार ने अब ऐसे विषाक्त कफ सिरप पर रोक लगाई है और बच्चों की मौत पर अफसोस भी जाहिर किया है। लेकिन इससे जिम्मेदारी पूरी नहीं हो जाती। तमिलनाडु सरकार ने जब दवा की जांच एक दिन में पूरी कर रिपोर्ट जारी कर दी, तो मध्यप्रदेश और राजस्थान में यही काम पहले क्यों न हो सका। क्यों बिना जांच के दवा सरकारी अस्पतालों तक पहुंची। बच्चों के मामले में तो खिलौनों, कपड़ों, जूतों से लेकर खाने–पीने के सामान तक अतिरिक्त सावधानी बरती जाती है, ।

पार्टी का नाम आम आदमी पार्टी लेकिन काम अमीरों को राज्यसभा सांसद बनाना

संतोष

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पंजाब से राज्यसभा के लिए खाली हुई सीट से मशहूर उद्योगपति राजिंदर गुप्ता को उम्मीदवार घोषित कर दिया है। इसी के साथ एक बार फिर से वही पुराना सवाल खड़ा हो गया है कि पार्टी का नाम श्आम आदमी पार्टीश लेकिन काम अमीरों को राज्यसभा सांसद बनाना है। आखिर अरविंद केजरीवाल को हर बार राज्यसभा भेजने के लिए अमीर उद्योगपति ही क्यों पसंद आते हैं ? क्या आम आदमी के नाम पर राजनीति करने वाले केजरीवाल के पास कोई ऐसा आम आदमी नहीं है जिन्हें वो राज्यसभा सांसद बना सके। वर्ष 2018 में इन्ही अरविंद केजरीवाल ने आशुतोष और कुमार विश्वास जैसे पार्टी के दिग्गज नेताओं को नजरअंदाज करके एनडी गुप्ता और सुशील गुप्ता को राज्यसभा भेजा था। तब से लेकर आज तक केजरीवाल के रवैए, जिद और मनमाने फैसले लेने की आदत में कोई बदलाव नहीं आया है। इस बार भी आम आदमी पार्टी ने पंजाब के सबसे अमीर व्यक्तियों में से एक और देश के प्रमुख उद्योगपति राजिंदर गुप्ता को 24 अक्टूबर को होने वाले राज्यसभा उपचुनाव के लिए अपना उम्मीदवार घोषित किया है। पंजाब विधानसभा में आम आदमी पार्टी का बहुमत है इसलिए राजिंदर गुप्ता को राज्यसभा सांसद बनने से कोई रोक नहीं सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो, राजिंदर गुप्ता पंजाब के सबसे अमीर लोगों में से एक हैं। उनकी कुल संपत्ति 1.2 बिलियन डॉलर यानी लगभग 10 हजार करोड़ रुपए है। यह सीट जिन संजीव अरोड़ा के इस्तीफे के कारण खाली हुई है, वह भी एक उद्योगपति ही हैं। संजीव अरोड़ा का राज्यसभा सांसद का कार्यकाल अप्रैल, 2028 तक था। लेकिन कार्यकाल खत्म होने से पहले ही उन्हें पंजाब की लुधियाना वेस्ट विधानसभा सीट से चुनाव लड़वा दिया गया। विधायक बनने के बाद केजरीवाल के कहने पर भगवंत मान ने उन्हें अपनी सरकार में मंत्री बना दिया। आज तक यह सवाल एक अबूझ पहेली बना हुआ है कि, आखिर संजीव अरोड़ा में ऐसी क्या खासियत थी कि अरविंद केजरीवाल ने पहले उन्हें राज्यसभा सांसद बनवाया और फिर बीच में ही इस्तीफा दिलवा कर भगवंत मान की सरकार में मंत्री बनवा दिया। यह भी एक अबूझ पहेली ही बनी रहेगी कि उद्योगपति संजीव अरोड़ा के इस्तीफे से खाली हुई राज्यसभा सीट पर चुनाव लड़ने के लिए उद्योगपति राजिंदर गुप्ता को ही क्यों चुना गया? अब जरा इस तथ्य पर भी गौर कीजिए कि, पंजाब में राज्यसभा की 7 सीटें हैं, जिनमें से एक पर होने जा रहे उपचुनाव के लिए राजिंदर गुप्ता को उम्मीदवार बनाया गया है। जबकि छह अन्य आप राज्यसभा सांसदों की बात करें तो इसमें राघव चड्डा और संदीप कुमार पाठक के अलावा आप के अन्य सांसदों में एक निजी विश्विद्यालय के मालिक अशोक कुमार मित्तल, उद्योगपति विक्रमजीत सिंह और मशहूर क्रिकेटर हरभजन सिंह जैसे व्यक्ति शामिल हैं। ऐसे लोगों को राज्यसभा भेजने से पहले केजरीवाल को कम से कम अपनी पार्टी के कैडर को यह तो बताना ही चाहिए कि आखिर अशोक कुमार मित्तल, विक्रमजीत सिंह , हरभजन सिंह और अब राजिंदर गुप्ता जैसे लोगों ने आम आदमी और आम आदमी पार्टी के लिए क्या किया है?

अयोध्या और काशी पर बवाल भारत के लिए अशुभ

सुधीर

न्यायिक निर्णय, खासकर उच्च न्यायपालिका के, सूक्ष्म बारीकियों के साथ गढ़े जाते हैं ताकि श्धुएं के परदेश की तरह काम करने वाले खुरदुरे पहलुओं को छिपाया जा सके। जब तक लेखक स्वेच्छा से उनका खुलासा नहीं करते, तब तक वे कभी ज्ञात नहीं होंगे, समझे जाने की तो बात ही छोड़ दें। अयोध्या फैसले के सटीक पाठ को देखते हुए, यह विशेष रूप से सच है। यह विचित्र बात है कि अयोध्या और काशी मुद्दे फिर से

उलझने लगे हैं। सर्वोच्च न्यायपालिका के आदेशों के कारण ये प्रश्न काफी समय से अधर में लटके रहे। कई लोगों के लिए, अयोध्या का फैसला एक पहेली था, क्योंकि सर्वोच्च न्यायालय ने जो आदेश दिया था उससे वास्तव में बाबरी मस्जिद को आपराधिक रूप से ध्वस्त करने वालों को उसके स्वामित्व से पुरस्कृत किया जाना था और जिससे राम मंदिर के निर्माण में मदद मिलनी थी। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राम मंदिर का उद्घाटन करते हुए इस न्यायिक मान्यता को रेखांकित किया था। जाहिर है, इसके विपरीत, हमें स्पष्ट रूप से कहना था कि सर्वोच्च न्यायालय ने श्फैसला सुनाया है, न्याय नहींश।लेकिन अब, पूर्व मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने पूरे सवाल को फिर से खोल दिया है। न्यूजलॉन्ड्री के श्रीनिवासन जैन को 24 सितंबर को प्रकाशित एक साक्षात्कार में, चंद्रचूड़ ने कहा, श्पुरातात्विक उत्खनन से पर्याप्त साक्ष्य मिले थे। अब, पुरातात्विक उत्खनन का साक्ष्य मूल्य क्या है, यह एक अलग मुद्दा है। मैं बस इतना कहना चाहता हूं कि पुरातात्विक रिपोर्ट के रूप में साक्ष्य मौजूद हैं।श पूर्व मुख्य न्यायाधीश का विवादास्पद जवाब जैन द्वारा पूछे गए एक प्रश्न पर थारू श्तर्क यह है कि (मस्जिद के) भीतरी प्रांगण पर विवाद हिंदुओं द्वारा अपवित्रीकरण और अशांति फैलाने जैसे अवैध कृत्यों का परिणाम थाय यह तथ्य कि मुसलमानों ने बाहरी प्रांगण में ऐसा नहीं किया, उन्होंने इसका विरोध नहीं किया, तो यह उन्हें दंडित करने का लगभग आधार बन जाता है। यह तथ्य कि आपने विरोध नहीं किया, जबकि हिंदुओं ने किया, वास्तव में मुसलमानों के विरुद्ध है, वास्तव में निर्णय की एक आलोचनात्मक व्याख्या है।श्चंद्रचूड़ ने जवाब दिया, श्जब आपने कहा कि हिंदू ही भीतरी प्रांगण को अपवित्र कर रहे थे, तो अपवित्रता के मूल कृत्य–मस्जिद के निर्माण– के बारे में क्या? आप वह सब भूल गए जो हुआ था? हम भूल गए कि इतिहास में क्या हुआ था?श न्यायिक निर्णय, खासकर उच्च न्यायपालिका के, सूक्ष्म बारीकियों के साथ गढ़े जाते हैं ताकि श्धुएं के परदेश की तरह काम करने वाले खुरदुरे पहलुओं को छिपाया जा सके। जब तक लेखक स्वेच्छा से उनका खुलासा नहीं करते, तब तक वे कभी ज्ञात नहीं होंगे, समझे जाने की तो बात ही छोड़ दें। अयोध्या फैसले के सटीक पाठ को देखते हुए, यह विशेष रूप से सच है। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने साक्षात्कार में जो कहा वह पुरातात्विक निष्कर्षों के संबंध में फैसले के मूल पाठ से पूरी तरह भिन्न था। श्रिपोर्ट विवादास्पद स्थल पर पाए गए वास्तुशिल्पीय अवशेषों और संरचना की प्रकृति के आधार पर यह निष्कर्ष निकालती है कि यह हिंदू धार्मिक मूल से निकली थी। रिपोर्ट इस संभावना को खारिज करती है (सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड द्वारा जोर दिया गया) कि अंतर्निहित संरचना इस्लामी मूल की है। लेकिन एएसआई रिपोर्ट ने उसे सौंपे गए कार्य के एक महत्वपूर्ण हिस्से का उत्तर नहीं दिया है, जैसे यह निर्धारित करना कि क्या मस्जिद के निर्माण के लिए एक हिंदू मंदिर को ध्वस्त किया गया था? इस पहलू पर एक विशिष्ट निष्कर्ष देने में एएसआई की असमर्थता निश्चित रूप से एक महत्वपूर्ण साक्ष्य परिस्थिति है जिसे अंतिम विश्लेषण में संपूर्ण साक्ष्य के संचयी प्रभाव पर विचार करते समय ध्यान में रखा जाना चाहिए।श्आदेश में आगे कहा गया है कि– श्इस चरण में एक और पहलू पर ध्यान देने की आवश्यकता है और जिस पर स्वामित्व के प्रश्न का मूल्यांकन करते समय विचार किया जाएगा। वह मुद्दा यह है कि क्या स्वामित्व का निर्धारण एएसआई के निष्कर्षों के आधार पर किया जा सकता है?और क्या 1528 ई. (450 वर्ष से भी पहले) में एक पूर्ववर्ती धार्मिक संरचना (जो बारहवीं शताब्दी की है) की नींव पर एक मस्जिद के निर्माण से स्वामित्व के प्रश्न पर कोई निष्कर्ष निकल सकता है, यह एक अलग मामला है। इस स्तर पर, यह नोट करना पर्याप्त होगा कि स्वामित्व का निर्धारण स्पष्ट रूप से एएसआई के अधिकार क्षेत्र में नहीं था। यह एक ऐसा मामला है जिस पर न्यायालय को इस निर्णय में बाद में स्वामित्व के मुद्दे पर विचार करते समय एक सुविचारित और वस्तुनिष्ठ निष्कर्ष निकालने की आवश्यकता होगी।श इसलिए, सर्वोच्च न्यायालय कभी भी इस निर्णायक निष्कर्ष पर नहीं पहुंचा कि श्मस्जिद बनाने के लिए एक मंदिर को तोड़ा गया थाश जैसा कि न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने साक्षात्कार में दावा किया है – श्पुरातात्विक उत्खनन से पर्याप्त साक्ष्य मिले थेश।काशी में ज्ञानवापी मस्जिद स्थल पर खुदाई की अनुमति देने और यह सिफारिश करने पर कि श्धार्मिक संरचना के स्वरूप की जांच की जा सकती है, लेकिन उसे बदला नहीं जा सकताश, न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली सर्वोच्च न्यायालय की पीठ द्वारा व्यक्त किए गए बेशर्म आत्म–विरोधाभास पर भी यही बहुसंख्यकवादी रुख देखा जा सकता है। पूजा स्थल अधिनियम के आलोक में, अयोध्या को छोड़कर, कोई अन्य धार्मिक स्थल कानूनी चुनौती के लिए खुला नहीं था। इसलिए, सर्वोच्च न्यायालय के रुख ने अन्य स्थलों के संबंध में विवाद, घृणा और हिंसा का मार्ग प्रशस्त किया है। न्यूजलॉन्ड्री का साक्षात्कार सार्वजनिक होने के बाद से, चारों ओर कोहराम मच गया है। हालांकि, दुर्भाग्य से सार्वजनिक चर्चा और बहस न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ की भूमिका और व्यक्तित्व तक ही सीमित रही है। पूर्व मुख्य न्यायाधीश की भूमिका वाले कई अन्य फैसले संदर्भ के लिए आ रहे हैं, खासकर वे जिनमें आरएसएस–भाजपा को राजनीतिक लाभ हुआ प्रतीत होता है। निरूसंदेह, यह अपरिहार्य है। लेकिन केवल व्यक्तिपरक विचार तक सीमित रहना श्वास्तविकता को नजरअंदाज करनेश के समान होगा। भारतीय गणराज्य में जिस तरह का बदलाव आया है, उसे हम अपने ही नष्ट होने के जोखिम पर नजरंदाज कर सकते हैं। आरएसएस के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार कॉर्पोरेट–सांप्रदायिक गठजोड़ पर आधारित है। इस नई दिशा की प्रकृति ही एक ऐसे आदर्श बदलाव की पूर्वकल्पना करती है जहां लोकतांत्रिक धर्मनिरपेक्ष गणराज्य को व्यापक क्षरण और क्षति का सामना करना पड़ेगा। यह स्पष्ट है कि राज्य केवल कार्यपालिका और विधायिका तक ही सीमित नहीं हैय बल्कि इसमें न्यायपालिका भी शामिल है। इसलिए, जहां संविधान को ही समाप्त करने का एक ठोस प्रयास किया जा रहा है, वहीं साथ ही, न्यायपालिका को हिंदुत्व के रथ के साथ भी जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। गणतंत्रीय न्यायशास्त्र और संविधानवाद के सिद्धांतों के प्रति न्यायिक प्रतिबद्धता के कुछ उज्ज्वल उदाहरणों के बावजूद, यह एक भटकाव है। दुर्भाग्य से, न तो अयोध्या और न ही ज्ञानवापी मामले के फैसले ऐसे संवैधानिक सिद्धांतों और उन पर आधारित देश के कानूनों को कायम रखते हैं।

जनता को किया वोटिंग से किनारा, विपक्ष ने नकारा

अभिनय

एक ऐसा चुनाव जिसमें शायद किसी बदलाव की उम्मीद नहीं। सीरिया में संसदीय चुनाव हुए। देश के लंबे समय से निरंकुश नेता बशर अल–असद के विद्रोही आंदोलन के बाद सत्ता से बेदखल किए जाने के बाद ये पहला चुनाव है। असद वंश के 50 साल के शासन के दौरान, सीरिया में नियमित चुनाव होते थे जिनमें सभी नागरिक मतदान कर सकते थे। हालाँकि, असद के नेतृत्व वाली बाथ पार्टी का संसद पर दबदबा था और मतदान को व्यापक रूप से दिखावटी चुनाव माना जाता था। सीरिया के लोग चुनाव के बाद भी पूर्ण लोकतंत्र से चूक जाएँगे। सीरिया में हुए इस पहले चुनाव पर विवाद भी हो रहा है। वह इसलिए, क्योंकि यह लोकतांत्रिक तरीके से नहीं हो रहे हैं। इसमें जनता ने वोट नहीं डाला है। आलोचकों का कहना है कि इससे सत्ता के सीरिया के नए शासकों के हाथों में ही केंद्रित रहने की संभावना है। पीपुल्स असेंबली की अधिकांश सीटें जिलों के निर्वाचक मंडलों द्वारा चुनी जाएँगी, जबकि एक–तिहाई सीटों पर अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल–शरा नियुक्त होंगे। नई संसद भविष्य के चुनावों की तैयारी करते हुए 30 महीने का कार्यकाल पूरा करेगी। सीरिया की नई संसद में 210 सदस्य हैं। इनमें से 140 सीटों पर 7,000 इलेक्टोरल कॉलेज सदस्य मतदान कर रहे हैं। ये सदस्य सरकार द्वारा नियुक्त किए गए हैं। शेष 70 सदस्य अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल–शरा सीधे नियुक्त करेंगे। राष्ट्रपति शरा द्वारा नियुक्त 70 सीटों के जरिए महिलाओं, अल्पसंख्यकों और सहयोगी वर्गों को प्रतिनिधित्व देने की बात कही गई है, पर आलोचकों के मुताबिक यही सीटें सरकार की स्थायी बहुमत सुनिश्चित करेंगी। मतदान 5 अक्टूबर को हुआ। अंतिम परिणाम 7 अक्टूबर को अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल–शरा संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में जारी करेंगे। 70 सीटें शरा की नियुक्ति से भरी जाने के कारण संसद में शरा समर्थकों की निर्णायक जीत तय मानी जा रही है। उम्मीद थी कि जब चुनाव होंगे तो जनता भी वोट डालेगी लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अंतरिम सरकार का कहना है कि लगभग 14 साल के गृहयुद्ध और व्यक्तिगत दस्तावेजों के नुकसान के कारण लाखों सीरियाई लोगों के विस्थापन के कारण, इस समय एक सटीक मतदाता सूची बनाना और लोकप्रिय वोट का आयोजन करना असंभव है। इसलिए अभी आम लोगों को वोटिंग का अधिकार नहीं मिला है। सीधे जनमत कराने की बजाय यह सीमित प्रक्रिया अपनाई गई है। आलोचकों ने लोकप्रिय वोट के अभाव को अलोकतांत्रिक बताया है, हालाँकि कुछ विश्लेषक सरकार के तर्क को सही मानते हैं। अरब रिफॉर्म इनिशिएटिव और चौथम हाउस के वरिष्ठ शोध अध्येता ने इस बात पर जोर दिया कि निर्वाचकों के चुनाव के तरीके में स्पष्टता का अभाव है। उन्होंने कहा खासकर जब उपसमितियों और निर्वाचक मंडलों के चुनाव की बात आती है, तो कोई निगरानी नहीं होती, और यह प्रक्रिया संभावित रूप से हेरफेर की चपेट में है। उन्होंने आगे कहा कि चुनाव अधिकारियों ने बिना किसी स्पष्टीकरण के प्रकाशित सूचियों से नाम हटा दिए, जिससे आलोचनाएँ बढ़ गईं। संसद में महिलाओं या धार्मिक एवं जातीय अल्पसंख्यकों के लिए कोई निश्चित कोटा नहीं है। निर्वाचक मंडल के सदस्यों में महिलाओं की संख्या 20: होनी चाहिए, लेकिन इससे उम्मीदवारों या निर्वाचित सदस्यों के बीच समान प्रतिशत की गारंटी नहीं मिलती। सरकारी समाचार एजेंसी के अनुसार, राष्ट्रीय चुनाव समिति के प्रमुख मोहम्मद ताहा अल–अहमद के हवाले से, अंतिम सूची में शामिल 1,578 उम्मीदवारों में से 14: महिलाएँ हैं। कुछ जिलों में, 30–40: महिलाएँ उम्मीदवार हैं, जबकि अन्य में एक भी नहीं है। स्वीडा और कुर्द–नियंत्रित क्षेत्रों को बाहर रखे जाने से अल्पसंख्यक प्रतिनिधित्व को लेकर चिंताएँ बढ़ गई हैं। हाल ही में हुई सांप्रदायिक हिंसा में अलावी और ड्रूज समुदायों के सैकड़ों नागरिक मारे गए हैं, जिनमें से कई की मौत सरकार से जुड़े लड़ाकों के हाथों हुई है। हयात तहरीर अल–शाम (एचटीएस)रू उत्तर–पश्चिमी सीरिया में सक्रिय यह संगठन चुनावों को श्दमिश्क की सत्ता का नाटकश बता रहा है। उसका कहना है कि अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल–शरा की सरकार देश के वास्तविक प्रतिनिधित्व से कोसों दूर है, क्योंकि उसने जनता को वोट का अधिकार ही नहीं दिया। वहीं असद समर्थक गुट बशर अल–असद की पार्टी ने इसे श्कठपुतली चुनावश कहा है। उनका आरोप है कि शरा सिर्फ पश्चिमी देशों की मदद से सत्ता में आया और अब वैधता साबित करने के लिए दिखावटी प्रक्रिया चला रहा है। रूस और चीनः दोनों देशों ने इन चुनावों को सीरिया की स्थिरता की दिशा में आवश्यक कदम बताया है। उनका कहना है कि युद्धग्रस्त देश में तुरंत जनमत संग्रह असंभव है, इसलिए अंतरिम संरचना ही व्यावहारिक विकल्प है। ईरान ने शरा सरकार को सीरिया के पुनर्निर्माण का केंद्र मानते हुए कहा कि चुनाव देश में राजनीतिक निरंतरता की गारंटी हैं और विपक्ष को समय के साथ शामिल किया जाएगा। अभी भी पीपुल्स असेंबली की 32 सीटें खाली ही रहेंगी। वह इसलिए क्योंकि सीरिया के सुवैदा और उत्तर–पूर्वी प्रांत में वोटिंग नहीं हुई। इन प्रांतों में कुर्दिश लड़ाकों का दबदबा है। इसलिए अभी यहां वोटिंग नहीं करवाई गई है। कुल मिलाकर, 210 सीटों में से 178 सदस्यों के साथ सीरिया की सरकार चलेगी। सोमवार या मंगलवार तक चुनाव नतीजे घोषित कर दिए जाएंगे। नई संसद के लिए जिन सदस्यों को चुना जाएगा, उनका कार्यकाल 30 महीने का होगा। ऐसा इसलिए ताकि चुनाव तैयारियों के लिए समय मिल सके। बताया जा रहा है कि इसके बाद आम चुनाव कराए जा सकते हैं।

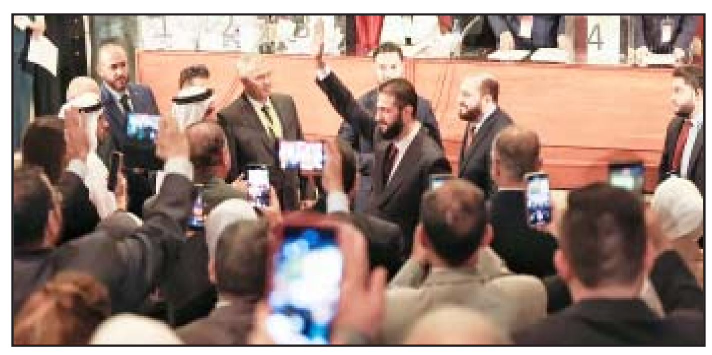

2015 की तरह इस बार भी बिहार में आरक्षण सबसे बड़ा मुद्दा

बिहार चुनाव की घोषणा होने वाली है। वहां यह मुद्दा सबसे बड़ा बनने जा रहा है। सोशल मीडिया पर इसकी शुरुआत हो गई है। और बीजेपी ने सोशल मीडिया और गोदी मीडिया दोनों को इतना ताकतवर बना दिया है कि देश का अजेंडा अब वही तय करते हैं। और इस बार यह अजेंडा आरक्षण बन गया है। क्या होगा इसका असर? बीजेपी का असली मुद्दा यही है। क्या बिहार चुनाव का सबसे बड़ा मुद्दा आरक्षण बनने जा रहा है? लगता यही है और इसमें सबसे दिलचस्प बात यह है कि यह बिहार के किसी नेता की वजह से नहीं, दूर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव की वजह से बना है। सोशल मीडिया में जो बीजेपी को सबसे ज्यादा फायदा देने वाला मंच है वहां बीजेपी के लोगों के बीच ही मोहन यादव घिर गए हैं।मोहन यादव को वह सब गाली दी जा रही हैं जो बीजेपी के भक्त, ट्रोल कांग्रेस को और दूसरे लोगों को देते रहते हैं। उनसे इस्तीफा मांगा जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी से कहा जा रहा है उन्हें बर्खास्त कर दो। मोहन यादव का कसूर क्या है? आज की बीजेपी में यही मालूम नहीं पड़ता है। जगदीप धनखड़ का गुनाह क्या था? किसी को नहीं मालूम। खुद शायद धनखड़ को भी नहीं। इसी तरह सोनम वांगचुक अचानक देशद्रोही कैसे हो गए? वे भी मोदी मोदी करने में अव्वल थे। मगर आज राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) में अंदर हैं।मोहन यादव को अचानक मध्य प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाया गया था। उन शिवराज सिंह चौहान को हटाकर जिन्होंने मध्यप्रदेश में बीजेपी की 5 बार सरकार बनवाई। मगर अब मोहन यादव को ही सबसे बड़े खलनायक बनाया जा रहा है। उन्होंने क्या किया? किया कुछ नहीं। केवल एक सर्वदलीय बैठक में कहा कि मध्य प्रदेश में ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा। जो अभी 14 प्रतिशत है। इसके लिए उसने सुप्रीम कोर्ट में एक हलफनामा पेश किया है। सुप्रीम कोर्ट इस मामले में 8 अक्टूबर से रोज सुनवाई करने वाला है।सुप्रीम कोर्ट में दायर हलफनामे में मध्य प्रदेश सरकार ने बताया कि राज्य में 51 प्रतिशत से अधिक ओबीसी हैं। बाकी वंचित समुदाय में 15. 6 प्रतिशत अनुसूचित जाति (एससी) और 21. 1 प्रतिशत अनुसूचित जनजाति (एसटी) है। सब मिलाकर वंचित समूह 87 प्रतिशत से अधिक होता है। इसलिए जनसंख्या के लिहाज से और सामाजिक और शैक्षणिक पिछड़ेपन को देखते हुए आरक्षण बढ़ाया जाना चाहिए। संक्षेप में कुल मामला यह है। लेकिन चूंकि मोहन यादव खुद पिछड़े वर्ग से आते हैं इसलिए बीजेपी के अंदर उनको लेकर विरोध शुरू हो गया है। बीजेपी के बनाए हुए सोशल मीडिया के ट्रोल अब मोहन यादव के पीछे ही पड़ गए हैं।लेकिन यहां भी बीजेपी के फैलाए नफरत और विभाजन का असर दिखने लगा है। जो सवर्ण ट्रोल हैं या भक्त हैं। वे मोहन यादव को हर वह गाली दे रहे हैं जो उन्हें कांग्रेस, मुसलमान, अखिलेश, तेजस्वी, लालू को देने के लिए सिखाई गई थी। जाहिर है जो पिछड़े इतने दिनों से बीजेपी की सेवा में लगे थे वे एक तो आरक्षण का विरोध और फिर जातिगत आधार पर गाली देने से विचलित हो गए। हिन्दू एकता के नाम पर उन्हें दूसरों को गाली देने के लिए इकट्ठा किया गया था। मगर अब उन्हें हिन्दू नहीं जातिगत आधार पर छोटा दिखाकर बुरा–भला कहा जा रहा है साथ ही बीजेपी को धमकी दी जा रही है कि अगर उसने मोहन यादव को मुख्यमंत्री पद से नहीं हटाया तो उसे बिहार में हरवा दिया जाएगा। कह तो मोहन यादव को भस्मासुर रहे हैं। मगर ट्रोल या कहें बड़े वाले ट्रोल खुद अपने आपको इतना ताकतवर समझ रहे हैं कि वे चुनाव हरवा सकते हैं। हो सकता है सही भी हो। क्योंकि मोदी को 11 साल सत्ता में बनाए रखने में इनका बड़ा योगदान है। मोदी के पक्ष में और राहुल के खिलाफ नरेटिव (धारणाएं) बनाने में ट्रोलों और भक्तों का सबसे ज्यादा यूज किया गया है। अब तो जब यह आपस में जातिगत आधार पर लड़ रहे हैं जो यह कहा जाता है कि गंदे लोगों की आपस में लड़ाई में कुछ छूटता नहीं तो यह एक दूसरे का बता रहे हैं कि आईटी सेल और फलाने नेता से किसको कितना मिलता है। वह जब कहा जाता था कि एक ट्वीट के दो रुपए मिलते हैं तो सही बताएं हमें यकीन नहीं आता था। मगर अब तो आपस में एक दूसरे को नंगा किया जा रहा है। यह भी बताया जा रहा है कि झूठी खबरें चलाने पर जब किसी पर मामला दर्ज हुआ तो वह किस तरह डर गया था। कहने को यह ट्रोल कहते हैं कि हम नहीं डरते। मगर अब जब सब एक दूसरे की हकीकत बता रहे हैं तो मालूम पड़ता है कि कानून से सब डरते हैं। सोशल मीडिया पर जब भी ट्रोल गालियां दें, झूठ फैलाएं, चरित्र हनन करें तो इनके खिलाफ एफआईआर लिखवाना चाहिए। कांग्रेस को यह बात ज्यादा ध्यान रखना चाहिए कि उसके शासित प्रदेशों कर्नाटक, तेलंगाना में जब इनके खिलाफ पुलिस रिपोर्टें हुईं तो यह सब से ज्यादा डरे, रोए। और अधिकांश मामलों में जिनके लिए काम करते थे, माहौल बनाते थे वे मदद करने नहीं आए। घर परिवार व्यक्तिगत दोस्तों की वजह से ही बचे। इस सारे प्रकरण से एक बात और साफ हो गई। जिस मुस्लिम के नाम पर यह दलित पिछड़ों को जोड़ते थे वह असली दुश्मन नहीं है। न ही कांग्रेस है। मोहन यादव हटाओ अभियान में साफ लिख रहे हैं कि चाहे कांग्रेस आ जाए, मुस्लिम मुख्यमंत्री बन जाए मगर यादव को हटाकर रहेंगे। वास्तव में मनुवाद का असली निशाना दलित और पिछड़े ही हैं। मगर उनका वोट चाहिए और तादाद में ज्यादा है जैसा मध्य प्रदेश की बीजेपी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के दिए अपने शपथ पत्र में कहा कि 87 प्रतिशत से ज्यादा तो इन्हें मुसलमान का झूठा डर दिखाकर साथ लिया जाता है। लेकिन अब मुसलमान बीच में कहीं नहीं है। पहले भी नहीं था। सिर्फ एक काल्पनिक शत्रु बनाकर बीजेपी हिन्दुओं को डराती है। मगर अब जब ओबीसी को हक देने का सवाल आया तो बताया जाने लगा कि हमारी नौकरी, उच्च शिक्षा में सीटें मुस्लिम ने नहीं ली हैं, दलित ने ली हैं और अब पिछड़े अपना आरक्षण 14 से 27 प्रतिशत बढ़वाकर लेने वाले हैं। बिहार चुनाव की घोषणा होने वाली है। वहां यह मुद्दा सबसे बड़ा बनने जा रहा है। सोशल मीडिया पर इसकी शुरुआत हो गई है। और बीजेपी ने सोशल मीडिया और गोदी मीडिया दोनों को इतना ताकतवर बना दिया है कि देश का अजेंडा अब वही तय करते हैं। और इस बार यह अजेंडा आरक्षण बन गया है। क्या होगा इसका असर? बीजेपी का असली मुद्दा यही है। 2014 लोकसभा चुनाव के पहले बीजेपी नेताओं ने खुलकर 400 से ऊपर सीटें मांगी थीं। खुद प्रधानमंत्री ने कहा था 400 पार। बीजेपी के नेताओं ने कहा था संविधान बदलने के लिए इतनी सीटें दो तिहाई चाहिए। अगर मिल गई होतीं तो आरक्षण खतम हो गया होता। 2014 में बीजेपी की जीत के बाद भी भाजपा और संघ इसी एक सूत्रीय कार्यक्रम पर शुरू हो गए थे। मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद बिहार के विधानसभा चुनाव 2015 में संघ प्रमुख मोहन भागवत ने आरक्षण की समीक्षा की बात कही थी। मगर परिणाम उल्टा निकला। भाजपा हार गई। इस बार 2025 में संघ और भाजपा खुद न कहकर अपने सोशल मीडिया ट्रोलों से कहलवा रहे हैं। क्या होगा परिणाम? देखना दिलचस्प होगा। अगर आरक्षण का मुद्दा केन्द्र में आ गया जिसकी पूरी संभावना है क्योंकि 8 अक्टूबर से इस पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई शुरू हो रही है तो पूरा चुनाव आरक्षण समर्थक और आरक्षण के विरोध में हो जाएगा। बीजेपी को शायद ही यह सूट करे।

नौकरी का सपना टूटा... हाथ में आई चाय की केतली, धरातल पर कड़वी है ऊंचे दावों की कहानी

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में सम्मानजनक काम और आत्मनिर्भरता का सपना लेकर रोजगार मेले में पहुंचे दिव्यांग युवा आज हताश हैं। कौशल विकास विभाग ने 172 दिव्यांगजनों को नौकरी देने का दावा तो किया, लेकिन धरातल पर कहानी कुछ और ही है। रोजगार मेले में चयनित कई युवाओं को श्स्टॉल संचालकश बनाकर चाय और नाश्ता बेचने का काम थमा दिया गया। कहीं किराने की दुकान पर ग्राहक संभालने की ड्यूटी, तो कहीं घर का काम करने का प्रस्ताव मिला। युवाओं का आरोप है कि विभाग ने रोजगार देने के बजाय सिर्फ संख्या बढ़ाने की खानापूर्ति की। जानकीपुरम निवासी श्वेता तिवारी बताती हैं कि रोजगार मेले के दौरान एचडीएफसी बैंक में मार्केटिंग का काम देने का भरोसा दिलाया गया था। कहा गया था कि एक हफ्ते के अंदर कॉल और ईमेल आएगा, पर अब तक न कोई कॉल

आया, न नौकरी मिली। यही हाल एक और संस्थान के दावे का भी रहा। गोसाईंगंज के उदल का भी चयन स्नातक योग्यता के आधार पर हुआ। उदल ने बताया कि कंपनी की ओर से फोन आया। इकाना स्टेडियम के पास की एक किराना दुकान पर नौकरी लगाई गई। सोचा था सामान संभालने का काम होगा, पर चाय बेचने को कहा गया। विरोध किया तो 10 दिन बाद निकाल दिया। मोहनलालगंज के विमल कुमार राठौर बताते हैं कि रोजगार मेले में चयन तो हुआ, पर स्टॉल संचालक का काम बोलकर दाल व चावल बेचने का काम दिया गया। एक और साथी का भी वहीं चयन हुआ। उसने बताया कि नौकरी के नाम पर घर का काम करने को बोला जाता था। इसी वजह से नौकरी नहीं कर पाए। अधिकारियों से बात करने की कोशिश की, पर मामला सिफर रहा। एम्प्लायर विकास गुप्ता ने बताया कि उदल और विमल को नौकरी पर रखा गया था। शिकायत मिल रही थी कि सामान देकर पैसा लेना भूल जाते थे। इसके अलावा भी काम में अन्य लापरवाही बरत रहे थे। सख्ती करने पर काम छोड़ दिया। राजधानी में दो महीने पहले कौशल विभाग की ओर से दिव्यांगजन रोजगार अभियान के तहत रोजगार मेले का आयोजन किया गया।

सड़क किनारे पड़ी मिली वृद्धा की लाश, नाक से सोने का आभूषण गायब

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के गोंडा में सोमवार को वृद्धा का शव सड़क किनारे पड़ा मिला। लोगों ने देखा तो भीड़ लग गई। खबर पाकर पहुंचे परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली है। आगे की कार्रवाई की जा रही है। घटना करनैलगंज थाना क्षेत्र के नचनी बजरंग नगर की है। यहां की निवासी रामप्यारी (65) की मौत हुई है। बताया गया कि सोमवार की तड़के करीब

3रू30 बजे रामप्यारी शौच के लिए करनैलगंजदृपरसपुर मार्ग की ओर गई थीं। काफी देर तक वापस न लौटने पर परिजनों ने खोजबीन शुरू की। वह सड़क किनारे पड़ी मिलीं। घरवाले आनन–फानन उन्हें लेकर डॉक्टर के पास पहुंचे। जांच के बाद चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस और फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण करके जानकारी जुटाई। मृतका के पुत्र सदानंद ने पुलिस को दी तहरीर में कहा कि उनकी मां की नाक से सोने का आभूषण (सुराही) गायब है।

संक्षिप्त खबरें

पूरा सहारा शहर अब नगर निगम के कब्जे में, सोमवार को नगर निगम की टीम ने मकान का कब्जा भी लिया

लखनऊ, (संवाददाता)। नगर निगम की टीम ने सोमवार को सहारा शहर पर पूरी तरह से कब्जा ले लिया। बीते शनिवार को नगर निगम की टीम ने अपने कब्जे के बोर्ड लगा दिए थे लेकिन वहां बने आलीशान मकान में सहारा प्रमुख स्वर्गीय सुब्रत रॉय की पत्नी स्वप्ना रॉय और उनका स्टाफ रह रहा था। जिसे खाली करने के लिए नगर निगम की ओर से बीते बुधवार को तीन दिन का नोटिस दिया गया था। इस बीच सहारा के कर्मचारी बृहस्पतिवार से बकाया वेतन की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। इस बीच सोमवार को पूरी तैयारी के साथ पहुंची नगर निगम टीम ने वहां बने मकान का भी कब्जा ले लिया। नगर निगम के प्रभारी अधिकारी संपत्ति रामेश्वर प्रसाद ने बताया सहारा शहर की जमीन पर पहले ही कब्जा ले लिया गया था अब वहां बने मकान का भी कब्जा ले लिया गया है। नगर निगम में 170 एकड़ जमीन सहारा हाउसिंग कॉरपोरेशन को 1994 लीज पर आवंटित की शर्तों के उल्लंघन और प्लीज का समय समाप्त होने के बाद नगर निगम ने कर 10 दिन पहले शहर शहर की पुलिस निरस्त कर जमीन पर अपने कब्जे के वोट लगा दिए थे।

संगठन की मजबूती से ही होगा सत्ता परिवर्तन – श्याम लाल पाल

लखनऊ, (संवाददाता)। काकोरी के डीके लॉन में रविवार को समाजवादी पार्टी ने शक्ति प्रदर्शन करते हुए बूथ प्रभारियों, ब्लॉक अध्यक्षों व सेक्टर पदाधिकारियों का सम्मेलन किया। इसमें सपा नेताओं ने 2027 में पीडीए की सरकार बनाने का संकल्प लिया और भाजपा सरकार की जमकर आलोचना की। मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने कहा कि भाजपा की नीतियों से किसान, मजदूर और गरीब तबका त्रस्त है। इसलिए सपा ही जनता की उम्मीदों की असली प्रतिनिधि है और बूथ स्तर से संगठन को मजबूत कर ही सत्ता परिवर्तन संभव है। विशिष्ट अतिथि सांसद आरके चौधरी ने कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि बूथ स्तर पर जनता के बीच जाकर भाजपा की विफलताओं को उजागर करें और सपा के मिशन 2027 को सफल बनाएं। प्रदेश उपाध्यक्ष सीएल वर्मा ने बूथ अध्यक्षों, प्रभारियों व सेक्टर पदाधिकारियों को सम्मानित किया। सम्मेलन में अल्पसंख्यक सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष इकबाल कादरी, नजमी खां, रूप नारायण यादव, नागेंद्र सिंह यादव, सोनिस मौर्य, विजयश्री गौतम आदि मौजूद रहे।

बोगियों में घूम रहे थे कॉक्रोच, यात्रियों की नींद उड़ी

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ से नई दिल्ली के बीच चलने वाली लखनऊ मेल व एसी एक्सप्रेस जैसी वीआईपी ट्रेनों में कॉक्रोच घूम रहे हैं। इससे यात्रियों का सोना दुश्वार हो गया है।

शिकायत करने पर निस्तारण भी नहीं हो रहा है। नई दिल्ली से लखनऊ आने वाली गाड़ी संख्या 12230 लखनऊ मेल की सेकंड एसी बोगी ए–1 में सफर करने वाले यात्री धनंजय ने सोशल मीडिया एक्स पर डीआरएम सुशील कुमार वर्मा से ट्रेन में कॉक्रोच होने की शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि महंगे टिकट पर सफर के बावजूद सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। रातभर जागकर सफर करना पड़ा। बोगी में कॉक्रोचों की भरमार थी। चारबाग से नई दिल्ली जाने वाली वीआईपी ट्रेन 12429 एसी एक्सप्रेस की थर्ड एसी बोगी बी–5 की संख्या 54, 56 पर यात्रा करने वाले अनिल तिवारी ने भी कॉक्रोचों को लेकर शिकायत की है। उन्होंने बताया कि बोगी में कॉक्रोच होने से कई और यात्रियों को भी दिक्कतें हुईं। शिकायत के बाद डीआरएम ने मामले की जांच के लिए कहा है। साथ ही पेस्ट कंट्रोल के निर्देश भी दिए हैं। दैनिक यात्री एसोसिएशन के अध्यक्ष एसएस उप्पल ने बताया कि ट्रेनों में साफ–सफाई व पेस्ट कंट्रोल पर प्रतिवर्ष लाखों रुपये खर्च किए जाते हैं। इसके बावजूद स्लीपर ही नहीं, एसी बोगियों तक में मक्खियों, मच्छरों व कॉक्रोचों के होने की शिकायतें सामने आ रही हैं। रेलवे अफसरों को ऐसी शिकायतों को गंभीरता से लेना चाहिए। यात्री को दिया गंदा बेडरोल

लखनऊ छपरा एक्सप्रेस की एसी बोगी में यात्रा करने वाले आरके सिंह ने गंदा बेडरोल देने की शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने नाराजगी जताते हुए कहा कि इससे पूर्व भी तीन बार ट्रेन में यात्रा कर चुके हैं, उस समय भी गंदा बेडरोल दिया गया था। शिकायत के बावजूद सुनवाई नहीं होना दुर्भाग्यपूर्ण है।

नई भर्ती दूर करेगी केजीएमयू में शिक्षकों की कमी

लखनऊ, (संवाददाता)। किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) में डॉक्टरों की कमी का संकट गहराता जा रहा है। बीते दिनों न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. पीके शर्मा ने भी पद से इस्तीफा दे दिया है। इस साल यह आठवां बड़ा इस्तीफा है। एक के बाद एक इस्तीफे से कई विभागों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की भारी कमी हो गई है। हालांकि, विश्वविद्यालय प्रशासन ने रिक्त पदों को भरने के लिए भर्ती प्रक्रिया जल्द शुरू करने का दावा किया है। केजीएमयू के प्रवक्ता प्रो. केके सिंह ने कहा कि भर्ती इसी महीने शुरू होगी। इससे डॉक्टरों की कमी काफी हद तक दूर हो जाएगी। वर्ष 2023 में केजीएमयू में 200 से अधिक पदों पर भर्ती निकाली गई थी, लेकिन चयन 70 पदों पर ही हो सका था। इनमें से से भी लगभग 50 डॉक्टरों ने ही कार्यभार ग्रहण किया। इस बीच इस्तीफों का सिलसिला जारी रहा। हाल ही में हुई कार्यपरिषद की बैठक में रिक्त पदों पर नई भर्ती शुरू करने का प्रस्ताव पास किया गया है। नेफ्रोलॉजी, सर्जिकल गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी, मेडिकल गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी और पल्मोनरी एंड क्रिटिकल केयर मेडिसिन जैसे विभागों में पर्याप्त शिक्षक नहीं हैं। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) के मानकों के अनुसार, हर विभाग में कम से कम एक प्रोफेसर, एक एसोसिएट प्रोफेसर और एक असिस्टेंट प्रोफेसर होना अनिवार्य है। इस साल इस्तीफा देने वालों में पूर्व प्रॉक्टर एवं न्यूरो सर्जरी के प्रो. क्षितिज श्रीवास्तव, मनोरोग विशेषज्ञ प्रो. आदर्श त्रिपाठी, डॉ. मनु अग्रवाल, रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग के डॉ. अजय कुमार वर्मा, एनेस्थीसिया विभाग की डॉ. तन्वी भार्गव, प्लास्टिक सर्जरी विभाग के डॉ. अशोक कुमार गुप्ता और कार्डियक एनेस्थीसिया के डॉ. करण कौशिक शामिल हैं। अब डॉ. पीके शर्मा के जाने से न्यूरोलॉजी विभाग भी प्रभावित हुआ है। डॉक्टरों के पलायन की दो प्रमुख वजहें सामने आ रही हैं। पहली, निजी अस्पतालों में सरकारी संस्थानों की तुलना में मिलने वाला कई गुना बेहतर वेतन। दूसरी, सरकारी संस्थानों में प्रशासनिक दखल और कार्य की सीमित स्वतंत्रता। यही कारण है कि अनुभवी डॉक्टर निजी क्षेत्र की ओर रुख कर रहे हैं। प्केजीएमयू में डॉक्टरों की भर्ती प्रक्रिया जल्द शुरू होने वाली है। इससे डॉक्टरों की कमी की समस्या दूर होगी।

संक्षिप्त खबरें

इमामबाड़े, कर्बला, ट्रस्ट की इमारतों की बदहाली पर जताया रोष

लखनऊ, (संवाददाता)। इमामबाड़े, कर्बला व हुसैनाबाद ट्रस्ट की इमारतों की बदहाली के विरोध में आयोजित जलसे पर उलमा ने रोष जताया। साथ ही इसे बचाने के लिए कानूनी दायरे में रहते हुए हर संभव प्रयास करने की बात कही। हुसैनाबाद स्थित छोटे इमामबाड़े में मातमी अंजुमन और उलमा के इस जलसे की शुरुआत कलाम पाक की तिलावत से हुई। जलसे को खिताब करते हुए इमामे जुमा मौलाना कल्बे जवाद ने कहा कि हुसैनाबाद ट्रस्ट देश का सबसे बड़ा ट्रस्ट है, जिसके पास पैसों की कोई कमी नहीं है, लेकिन अफसोस की बात यह है कि ट्रस्ट की सभी इमारतें खंडहर हो चुकी हैं। मनमाने तरीके से ट्रस्ट की जमीनों को लगातार दूसरों को दिया जा रहा है। इंतजामियां कमेटी न होने का लाभ उठाकर डीएम मनमाने तरीके से कार्य कर रहे हैं। उन्होंने सरकार से जल्द ट्रस्ट की नई कमेटी का गठन कराने और हुसैनाबाद ट्रस्ट की इमारतों की तामीर का काम शुरू करने की भी मांग की। आजादारी बोर्ड के जनरल सेक्रेटरी मीसम रिजवी ने कहा कि हम अपनी ऐतिहासिक धरोहर को मिटने नहीं देंगे। इसे बचाने के लिए जो भी करना होगा कानून के दायरे में रहते हुए जरूर करेंगे। अंजुमन हायमातमी के पदाधिकारियों ने जलसे में आए सभी उलमा–ए–कराम का अंजुमन की ओर से आभार जताया।

आम आदमी पार्टी 16 सदस्यीय उच्च–स्तरीय जांच दल भेजेगी

लखनऊ, (संवाददाता)। रविवार को आम आदमी पार्टी के उत्तर प्रदेश प्रभारी एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने बरेली की हालिया घटना को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि बरेली की घटना सरकार की सोची–समझी साजिश है, जिसका उद्देश्य असली मुद्दों जैसे बेरोजगारी, छात्रों के आंदोलन और लद्दाख व उत्तराखंड में हुए विरोधों से जनता का ध्यान भटकाना है।संजय सिंह ने बताया कि आम आदमी पार्टी इस मामले की गहन जांच के लिए 7 अक्तूबर को 16 सदस्यीय उच्च–स्तरीय प्रतिनिधिमंडल बरेली भेज रही है। यह प्रतिनिधिमंडल घटनास्थल का दौरा करेगा, पीड़ित परिवारों से मिलेगा और वस्तुस्थिति का विस्तृत जायजा लेकर अपनी रिपोर्ट पार्टी नेतृत्व को सौंपेगा।इस 16 सदस्यीय दल में प्रदेश और प्रांत स्तर के वरिष्ठ नेता एवं विभिन्न प्रकोष्ठों के प्रतिनिधि शामिल हैं। प्रमुख सदस्य हैंकृप्रदेश सह प्रभारी दिलीप पांडे, पश्चिम प्रांत अध्यक्ष सोमेंद्र ढाका, रुहेलखंड प्रांत अध्यक्ष मो. हैदर, बौद्ध प्रांत अध्यक्ष इमरान लतीफ, रुहेलखंड प्रांत प्रभारी नदीम अशरफ जायसी, अयोध्या प्रांत प्रभारी सरबजीत सिंह मक्कड़, महिला विंग अध्यक्ष नीलम यादव, पिछड़ा प्रकोष्ठ अध्यक्ष डॉ. छवि यादव, यूथ विंग अध्यक्ष पंकज अवाना, किसान प्रकोष्ठ अध्यक्ष कमांडो अशोक, प्रदेश प्रवक्ता फैसल खान लाला, रामपुर जिलाध्यक्ष अंसार अहमद, रुहेलखंड प्रांत उपाध्यक्ष सुनीता गंगवार, तिरंगा शाखा प्रमुख जनक प्रसाद, बरेली जिलाध्यक्ष राम सिंह मौर्या और पंचायत प्रकोष्ठ अध्यक्ष विनय सिंह। प्रतिनिधिमंडल 7 अक्तूबर को बरेली पहुंचकर स्थल निरीक्षण करेगा, स्थानीय नागरिकों और पीड़ित परिवारों से बातचीत करेगा और निष्पक्ष जांच रिपोर्ट तैयार करेगा।बरेली की घटना शुक्रवार को जुम्मे की नमाज के बाद शुरू हुई। स्लोगन और पोस्टर्स को लेकर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया।

अपार्टमेंट में अधूरा निर्माण, बेसमेंट में पानी और टूटी बाउंड्री

लखनऊ, (संवाददाता)। पीजीआई क्षेत्र के रायबरेली रोड स्थित वृंदावन योजना सेक्टर–2 बी में बने विहान हाइट्स अपार्टमेंट के निवासी अधूरे निर्माण, खराब सुविधाओं और बिल्डर की लापरवाही से त्रस्त हैं। लगभग तीन वर्ष से रह रहे इन लोगों का कहना है कि बिल्डर विवेक इंफ्राटेक प्रा. लि. ने नक्शे के अनुसार प्रोजेक्ट पूरा नहीं किया और सुविधाओं के नाम पर धोखा किया। नाराज दर्जनों पुरुषों और महिलाओं ने रविवार को प्रदर्शन भी किया। अपार्टमेंट के लोगों ने बताया कि बेसमेंट अधूरा और जलमग्न है। बिजली के मीटर पानी भरे क्षेत्र में लगे हैं, जिससे हर समय हादसे का खतरा बना रहता है। एक लिफ्ट अब तक चालू नहीं हुई है, पार्किंग अधूरी है और वाहन खुले में खड़े करने पड़ते हैं। बिल्डिंग के तीन तरफ चारदीवारी अब तक नहीं बनी। नक्शे में दिखाए गए पार्क और स्विमिंग पूल भी अब तक नहीं बने। सीढ़ियों और भूतल पर काई जमी रहती है, सफाई की नियमित व्यवस्था नहीं है, जबकि हर महीने मेंटेनेंस चार्ज वसूला जा रहा है। लोगों ने बताया कि आवास विकास परिषद, रेरा और जनसुनवाई पोर्टल पर बार–बार शिकायतों के बावजूद कोई अधिकारी अब तक साइट पर नहीं पहुंचा। आईजीआरएस पोर्टल पर की गई शिकायत पर भी विभाग ने केवल सूचना पत्र अपलोड कर मामला निपटा दिया। स्थानीय निवासी प्रफुल्ल मिश्रा, अमित त्रिवेदी, आदित्य कुमार, सौम्य द्विवेदी, अशोक मौर्य, चारू चंद्र तिवारी, आलोक रंजन, अमितेश गौतम, रजनी तिवारी, सुषमा सिंह, सुमन, निशा, अभिषेक सिंह आदि ने बिल्डर के खिलाफ नारेबाजी की और मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप की मांग की। लोगों का कहना है कि अधूरे फ्लैटों को सील किया जाए, बिल्डर पर दंडात्मक कार्रवाई हो और प्रोजेक्ट को स्वीकृत नक्शे के अनुसार पूरा करवाया जाए, ताकि उन्हें राहत मिल सके। अपार्टमेंट में कोई गड़बड़ी नहीं है। कुछ लोग जानबूझकर विवाद पैदा कर रहे हैं और मेंटेनेंस शुल्क भी नहीं दे रहे हैं। बिल्डर ने यदि मानचित्र के विपरीत निर्माण किया है तो उसकी जांच कराकर कार्रवाई की जाएगी। बाकी मामले में रेरा को कार्रवाई का अधिकारी हैं क्योंकि परिषद ग्रुप हाउसिंग के लिए प्लाट देती है और मानचित्र पास करती है। बिल्डर किन वादों को पूरा नहीं किया यह रेरा में मामला है।

दिल्ली में वैश्य इंटरनेशनल एसोसिएशन के नेशनल कॉन्क्लेव में मंत्री नन्दी ने किया कमजोर और निर्बल वर्ग के उत्थान का संकल्प

लखनऊ, (संवाददाता)। को उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी दिल्ली के होटल ललित में वैश्य इंटरनेशनल एसोसिएशन द्वारा आयोजित नेशनल कॉन्क्लेव में शामिल हुए। इस कार्यक्रम में देश के कई बड़े व्यापारिक और सामाजिक घराने उपस्थित थे। नन्दी सेवा संस्थान और वैश्य इंटरनेशनल एसोसिएशन ने प्रयागराज के 60 वैश्य समाज से जुड़े सदस्यों के साथ मिलकर समाज के कमजोर और निर्बल वर्ग को आत्मनिर्भर बनाने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए।कार्यक्रम के दौरान प्रयागराज के 11 परिवारों को आधुनिक ठेला और एक परिवार को पांच लाख रुपए, दो परिवार को दो–दो लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। इसके अलावा, प्रयागराज के एक व्यापारी को व्यापार बढ़ाने के लिए सात लाख रुपए की सहायता दी गई। मंत्री नन्दी ने कहा कि उद्देश्य केवल आर्थिक मदद प्रदान करना नहीं है, बल्कि लोगों को व्यापार से जोड़कर स्थायी आर्थिक सहयोग और आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करना है।मंत्री नन्दी ने कहा कि वैश्य–व्यापारी समाज ने हमेशा परोपकार, सेवा और कमजोर तबके के उत्थान की परंपरा को आगे बढ़ाया है। उन्होंने सभी सक्षम और सम्पन्न व्यक्तियों से अपील की कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहारा पहुंचाया जाए ताकि कोई व्यक्ति आभाव, कर्ज, ब्याजखोरी या अन्य कठिनाइयों के कारण आत्मघाती कदम न उठाए।दिल्ली में कार्यक्रम में नैनी क्षेत्र के जन्मजात मूक–बधिर दंपत्ति और अन्य श्रमजीवी शामिल हुए। मूक–बधिर दंपत्ति संजय अग्रवाल को अपनी दुकान बढ़ाने के लिए दो लाख रुपए, जसरा प्रयागराज निवासी रामलाल को आग में क्षतिग्रस्त दुकान पुनःस्थापित करने हेतु पांच लाख रुपए और लूकरगंज निवासी अनुज अग्रहरि को व्यापार विस्तार के लिए सात लाख रुपए की सहायता प्रदान की गई। शहडोल मध्य प्रदेश की रूमा गुप्ता को भी दो लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी गई।प्रतिदिन कमाकर अपनी आजीविका चलाने वाले प्रयागराज के 11 श्रमजीवियों को आधुनिक कार्ट–वेला प्रदान किया गया, जिनमें चाट, चाय–बिस्किट, कचौड़ी और अन्य छोटे व्यवसायों के ठेले शामिल थे। इस पहल से इन परिवारों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिलेगा।कार्यक्रम में महेश गुप्ता (केंट आरओ सिस्टम), मनोहर लाल अग्रवाल (हल्दीराम ग्रुप), नन्द किशोर अग्रवाल (क्रिस्टल ग्रुप), राजेश गुप्ता (मल्टी कलर स्टील्स ग्रुप), सुरेश गर्ग (निराला इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड), विनीत गुप्ता (लोहिया ग्रुप), प्रयागराज की पूर्व महापौर अभिलाषा गुप्ता नन्दी, अजय सिंघल (ओम लॉजिस्टिक ग्रुप), एस एस अग्रवाल (कॉन्टिनेंटल मिलकोस इंडिया लिमिटेड) समेत कई गणमान्य उपस्थित रहे।यह पहल समाज के कमजोर वर्ग को सशक्त बनाने और उनकी आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने की दिशा में एक अनूठा प्रयास साबित हुई है।

आलू व केले के छिलके अब कचरा नहीं, इनसे सुधरेगी सेहत

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक ने आलू व केले के छिलके, चावल की भूसी और कृषि के क्षेत्र में कचरा समझे जाने वाली अन्य ऐसी चीजों से एक खास तरह का प्रतिरोधी (रेसिस्टेंट) स्टार्च तैयार किया है। यह खास रेसिस्टेंट स्टार्च ब्लड शुगर को नियंत्रित करता है। साथ ही यह हमारी आंतों के लिए फायदेमंद है। ये लंबे समय तक भूख न लगने में भी हमारी मदद करता है। लविवि में वनस्पति विज्ञान विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. प्रदीप कुमार ने अपने शोध के जरिये यह संभव किया है। डॉ. प्रदीप के शोध कार्य को अंतरराष्ट्रीय स्तर पहचान मिली है। उनके इस कार्य को अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिका बायोरिसोर्स टेक्नोलॉजी के इंपैक्ट फैक्टर में प्रकाशित हुआ है। इस शोध में एंजाइम तकनीक, अल्ट्रासाउंड विधि और थर्मल प्रोसेसिंग जैसी पर्यावरण के अनुकूल (ग्रीन टेक्नोलॉजी) विधियों का इस्तेमाल किया गया है। डॉ. प्रदीप के अनुसार रेसिस्टेंट स्टार्च बनाने की उनकी विधि काफी सरल और किफायती है। इसके प्रयोग से रेसिस्टेंट स्टार्च का उत्पादन करके लोगों के सेहत में सुधार किया जा सकता है। वर्तमान में रेसिस्टेंट स्टार्च बनाने की ज्यादातर तकनीक जटिल और महंगी हैं। रेसिस्टेंट स्टार्च (प्रतिरोधी स्टार्च) एक तरह का कार्बोहाइड्रेट है जो छोटी आंत में नहीं पचता है और सीधे बड़ी आंत में चला जाता है। बड़ी आंत के लाभकारी बैक्टीरिया (गुड बैक्टीरिया) के लिए एक प्रीबायोटिक के तौर पर काम करता है। इससे पेट और पाचन स्वास्थ्य में सुधार होता है। इसके साथ ही यह ब्लड शुगर का नियंत्रण, बेहतर इंसुलिन संवेदनशीलता और आंत के स्वास्थ्य में सुधार इसके कार्य में शामिल हैं। आलू, हरे केले, फलियों, और ओट्स जैसे खाद्य पदार्थों में रेसिस्टेंट स्टार्च की मात्रा काफी होती है। ऐसे उन्नत शोध के जरिये यदि खाद्य अपशिष्ट का सही उपयोग किया जाए तो इससे पर्यावरण की रक्षा के साथ ही सेहत के लिए उपयोगी चीजों निर्माण किया जा सकता है।

किशोरियों को आत्मनिर्भर, आत्मविश्वासी और नेतृत्व क्षमता से सशक्तबनाने की पहल

लखनऊ, (संवाददाता)। उपमुख्य सचिव, महिला कल्याण एवं बाल विकास सेवा–पुष्टाहार, लीना जौहरी ने बताया कि किशोरियों का सर्वांगीण विकास और उन्हें आत्मनिर्भर, आत्मविश्वासी तथा नेतृत्व क्षमता से सशक्त बनाना अत्यंत आवश्यक है। इसी उद्देश्य के तहत मिशन शक्ति के अंतर्गत बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग ने प्रदेश के विभिन्न जनपदों में लंच विद लाडली कार्यक्रम आयोजित किया। इसका उद्देश्य किशोरियों को जीवन कौशल, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा से जुड़ी जानकारी देना, निर्णय लेने की क्षमता और संवाद कौशल को बढ़ावा देना तथा उन्हें समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित करना है।कार्यक्रम में समाज की विभिन्न महिलाएं, जो संघर्षों को पार कर महत्वपूर्ण पदों पर पहुंची हैं, रोल मॉडल के रूप में उपस्थित रहीं। इन शिक्षाविदों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और महिला नेताओं ने किशोरियों के साथ अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम के दौरान सामूहिक चर्चा और प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया गया, जिससे किशोरियों में आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता विकसित करने का प्रयास किया गया। किशोरियों ने खुलकर अपने विचार रखे और जीवन कौशल, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण टिप्स प्राप्त किए। यह कार्यक्रम किशोरियों को यह संदेश देता है कि समान अवसर और छोटे मंच उन्हें आत्मनिर्भर बनाने और बड़े बदलाव लाने में सक्षम बना सकते हैं।इस मौके पर बताया गया कि भारत में लगभग 40 प्रतिशत किशोरियां शिक्षा के अवसरों से वंचित हैं। लगभग 15 प्रतिशत किशोरियां माध्यमिक शिक्षा तक नहीं पहुंच पा रही हैं और किशोरियों में एनीमिया की दर लगभग 40 प्रतिशत है, जो उनके शारीरिक और मानसिक विकास को प्रभावित कर रही है। ऐसे कार्यक्रम किशोरियों में निर्णय लेने की क्षमता, आत्मविश्वास और नेतृत्व कौशल को बढ़ावा देंगे, जिससे वे भविष्य में स्कूल, कॉलेज और समाज में सक्रिय भूमिका निभा सकेंगी।मुरादाबाद मंडल के विभिन्न जनपदों में किशोरियों के लिए अलग–अलग स्थानों पर किशोरी भोज का आयोजन किया गया।

समाज कल्याण विभाग ने 'मिशन कर्मयोगी अभियान' के तहत कर्मचारियों को डिजिटल प्रशिक्षण से जोड़ा

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी पहल 'मिशन कर्मयोगी अभियान' को समाज कल्याण विभाग उत्तर प्रदेश में सफलतापूर्वक लागू कर रहा है। इस अभियान के तहत विभागीय अधिकारी और कर्मचारी डिजिटल प्रशिक्षण के माध्यम से अपनी कार्यकुशलता बढ़ाकर जनता को पारदर्शी और प्रभावी सेवाएं प्रदान करने के लिए लगातार दक्ष बन रहे हैं।समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने बताया कि सितंबर 2025 तक कुल 3,900 अधिकारी, नियमितध्संविदाकर्मी एवं शिक्षक आईजीओटी कर्मयोगी पोर्टल पर पंजीकृत हो चुके हैं। इन कर्मचारियों ने अब तक 21,150 कोर्स पूरे किए हैं, जिनमें लगभग 15,893 घंटे का प्रशिक्षण शामिल है। आंकड़ों के अनुसार, 2,759 कर्मचारियों ने कम से कम एक कोर्स, 2,289 कर्मचारियों ने तीन या उससे अधिक कोर्स पूरे किए हैं। ,

डीसीएम श्रीराम समूह के लोनी चीनी मिल इकाई में वृहद् कृषि यन्त्र मेला का आयोजन

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)

गन्ना कृषकों की आय को बढ़ाने हेतु डीसीएम श्रीराम–शुगर समूह की लोनी इकाई में आज वृहद् कृषि यन्त्र मेला एवं कृषक गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसका उद्घाटन माननीय श्रीमती सानिया छाबड़ा, मुख्य विकास अधिकारी, हरदोई एवं श्री अंकित तिवारी, उपजिलाधिकारी, शाहाबाद द्वारा किया गया। श्रीमती छाबड़ा ने इस मौके पर किसानों की आय बढ़ाने व लागत को कम करने में गन्ने की खेती में यन्त्रीकरण को एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होनें इस तरह के कार्यक्रम को बढ़ावा देने पर जोर दिया, ताकि कृषकों में यंत्रीकरण के लिए जागरुकता हो सके। निधि गुप्ता, जिला गन्ना अधिकारी, हरदोई ने मेले में उपस्थित कृषक समुदाय को अवगत कराया कि इस वर्ष पेराई सत्र 2025–26 हेतु जारी गन्ना आपूर्ति सट्टा नीति में कई महत्वपूर्ण बदलाव किये गये हैं जिसमें से मुख्य रूप से यांत्रिक विधि से गन्ना कटाई, समिति की सदस्यता प्राप्त नये सदस्य, छोटे कृषकों व महिला कृषकों हेतु विशेष प्राविधान किया गया है एवं कैलेण्डरिंग में को० 15023 प्रजाति के गन्ने की खरीद को वरीयता दी गई है। साथ ही गन्ना प्रजाति को0 0238 में बढ़ते हुए लाल सड़घ्न रोग पर चिन्ता व्यक्त करते हुए किसानों से अन्य दूसरी उन्नतशील प्रजातियाँ जैसे–को०लख० 14201, को० 0118, को०शा० 13235, को०शा० 16202 व को० 15023 आदि की बुवाई कर गन्ना क्षेत्रफल बढ़ाने का सुझाव दिया। इस अवसर पर डीसीएम श्रीराम–शुगर समूह के अधिशासी निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी–शुगर रोशन लाल टामक ने गन्ने की खेती में मशीनीकरण की आवश्यकता के बारे में विस्तार से बताया। भूमि की

गिरती उर्वरा शक्ति पर चिन्ता व्यक्त करते हुये किसानों से जैविक खाद का अधिक से अधिक प्रयोग करने एवं किसानों को गन्ने की खेती में विभिन्न प्रकार के यन्त्रों को अपनाकर खेती के सरलीकरण करने पर जोर दिया। डीसीएम श्रीराम–शुगर समूह कृषकों को यन्त्रों के प्रयोग के प्रति जागरुक करने के उद्देश्य से इस तरह का वृहद् आयोजन करती रहती है, जिसमें क्षेत्रीय कृषकों को एक ही स्थान पर यन्त्रों के कार्य, प्रयोग करने का ढंग, रख–रखाव व मूल्यों पर विस्तार से चर्चा करने का अवसर मिलता है। डीसीएम श्रीराम लि. गन्ने की खेती को डिजिटल टूल्स से जोड़कर कृषकों की आमदनी बढ़ाने के लिए भी प्रयासरत है। ध्यान रहे कि क्षेत्र के विकास का रास्ता चीनी मिल से होकर गुजरता है। हमारा समूह अपने किसानों के सर्वांगीण विकास के लिए सतत् प्रयासरत है। खेती में आमदनी बढ़ाने का मूल मन्त्र गन्ने की पैदावार बढ़ाने में है। टामक ने बताया कि पेड़ी की उपज बढाने के लिए यह आवश्यक है कि पेड़ी प्रबन्धन के लिए आर.एम.डी. मशीन के प्रयोग को बढ़ावा दिया जाये। गन्ने की पैदावार बढ़ाने में पर्णीय छिड़काव का बड़ा महत्व है, इसके माध्यम से पौधों को पोषक तत्वों की कमी की पूर्ति हो जाती है, इसलिए किसान भाइयों को ट्रैक्टर चलित स्प्रे मशीन तथा ड्रोन के माध्यम से अपने सम्पूर्ण गन्ने में पर्णीय छिड़काव कम से कम दो से तीन बार अवश्य कराना चाहिए। टामक ने बड़े गर्व के साथ अवगत कराया कि राज्य स्तरीय गन्ना प्रतियोगिता में गत वर्ष डीसीएम श्रीराम समूह के अजबापुर एवं लोनी चीनी मिल के 3 कृषकों ने प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त कर इतिहास रच दिया है। गन्ना उपज प्रतियोगिता में ग्राम छत्तापुर (अजबापुर मिल क्षेत्र) के ज्योति प्रकाश सिंह ने 2509 क्विंटलध हेक्टेयर उपज प्राप्त कर प्रदेश में प्रथम स्थान हासिल किया। जबकि अजबापुर मिल क्षेत्र के ग्राम ओसरी के संत कुमार वर्मा ने 2441.50 क्विंटलध्हेक्टेयर उपज लेकर द्वितीय स्थान एवं लोनी मिल क्षेत्र के ग्राम उधरनपुर के अनुराग शुक्ला ने 2011 क्विंटलध हेक्टेयर उपज के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया। साथ ही उन्होंने बताया समूह द्वारा अच्छी उपज लेने के लिये कृषकों को प्रोत्साहित करने हेतु आर्कषक योजनायें चलाई जा रहीं हैं जिसमें अच्छी उपज प्राप्त करने वाले कृषकों को रू० 50000– तक की नकद इनामी धनराशि दी जा रही है।

नारद मुनि से हुई मुलाकात ने बाल्मीकि को भगवान राम का परम भक्त बना दिया - अजीत सिंह बब्बन

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)

बस स्टैंड, शाहाबाद में स्थित बाल्मीकि मंदिर पर महर्षि बाल्मीकि जयंती धूम धाम से मनाई गई। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने कहा

कि महर्षि वाल्मीकि के द्वारा ही हिंदू धर्म के महत्वपूर्ण महाकाव्य रामायण की रचना की गई थी। वाल्मीकि द्वारा संस्कृत भाषा में लिखी गई रामायण को सबसे प्राचीन माना जाता है। संस्कृत भाषा के प्रथम महाकाव्य की रचना करने के कारण महर्षि वाल्मीकि को आदि कवि भी कहा जाता है। बताया कि महर्षि वाल्मीकि की जयंती पर देशभर में कई जगह धार्मिक कार्यक्रम होते है, झांकियां निकाली जाती हैं और मंदिरों में वाल्मीकि जी की पूजा की जाती है। उन्होंने कहा कि महर्षि वाल्मीकि भगवान राम से उनके वनवास के दौरान मिले थे। उन्होंने भगवान राम द्वारा अयोध्या राज्य से निर्वासित सीता को भी बचाया और उन्हें आश्रय दिया। उनके आश्रम में ही सीता ने लव और कुश को जन्म दिया। बचपन में, महर्षि वाल्मीकि उनके गुरु बने और उन्हें रामायण की शिक्षा दी, जिसमें 24,000 श्लोक और 7 कांड हैं। बताया कि वाल्मीकि अपने प्रारंभिक वर्षों में रत्नाकर नाम के एक राजमार्ग डाकू थे। वे लोगों को लूटते और मारते थे, जब उनकी मुलाकात नारद मुनि से हुई, जिन्होंने उन्हें भगवान राम का परम भक्त बना दिया। वर्षों तक तपस्या करने के बाद, एक दिव्य वाणी ने उनकी तपस्या को सफल घोषित किया और उन्हें वाल्मीकि नाम दिया। बाद में उन्हें संस्कृत साहित्य के प्रथम कवि होने के कारण आदि कवि के रूप में सम्मानित किया गया। उनकी रचनाएँ, विशेषकर यह महान महाकाव्य, आज भी हिंदू भक्तों द्वारा गाया जाता है। भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के जिला संयोजक नवनीत गुप्ता ने कहा कि वाल्मीकि जयंती का हिंदू धर्म में बहुत धार्मिक महत्व है क्योंकि यह महर्षि वाल्मीकि के अद्वितीय योगदान को याद करता है।

पर्यावरण संरक्षण और वर्षा जल संचयन की दिशा में ओमैक्स की महत्वपूर्ण पहल

सिटी रिपोर्टर प्रत्यूष पाण्डेय

लखनऊ। ओमैक्स लिमिटेड अपने ग्राहकों को हरी–भरी सोसायटी प्रदान करने के लिए हमेशा प्रयासरत रहा है। इसमें पर्यावरण संरक्षण और वर्षा जल संचयन के क्षेत्र में एक अनूठी पहल की गई। ओमैक्स द्वारा डेवलप की गई विभिन्न टाउनशिप में बारिश के पानी को प्रभावी ढंग से संग्रहित और संरक्षित करने के लिए विशेष प्रयास किए गए हैं। इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए ओमैक्स लिमिटेड ने 50 रेनवाटर हार्वेस्टिंग गड्ढों का निर्माण किया, जो जल संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। साथ ही पर्यावरण को हरा–भरा और सुरक्षित बनाने के लिए कंपनी ने पिछले एक वर्ष में 50,000 से अधिक पौधे लगाए हैं। यह पहल न केवल पर्यावरण स्थिरता को बढ़ावा देगी बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और हरित भविष्य सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। हरी–भरी और खुशहाल टाउनशिप के डेवलपमेंट पर ओमैक्स लिमिटेड, लखनऊ के बिजनेस हेड श्री अंजनी कुमार पांडेय ने कहा कि हमारा उद्देश्य न केवल आधुनिक और सुविधाजनक आवासीय परियोजनाएं विकसित करना है बल्कि पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी को भी पूरी तरह निभाना है। वर्षा जल संरक्षण और वृक्षारोपण के माध्यम से हम एक स्थायी और पर्यावरण–अनुकूल जीवनशैली को बढ़ावा देने का प्रयास कर रहे हैं। यह प्रयास समाज और पर्यावरण के लिए एक सकारात्मक बदलाव की दिशा में हमारा योगदान है। ओमैक्स लिमिटेड की यह पहल न केवल स्थानीय समुदाय के लिए बल्कि पूरे क्षेत्र में पर्यावरण संतुलन के लिए एक मिसाल कायम करती है। कंपनी भविष्य में भी ऐसी पहलों को जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है ताकि पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सके।

संक्षिप्त खबरें

एसकेडी एकेडमी, राजाजीपुरम में महर्षि वाल्मीकि जयंती पर हुआ रामायण पाठ का शुभारंभ

लखनऊ (प्रत्यूष पाण्डेय)।

महर्षि वाल्मीकि जयंती के पावन अवसर पर एसकेडी एकेडमी, राजाजीपुरम शाखा में दो दिवसीय रामायण पाठ का शुभारंभ आज श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में किया गया। यह पाठ महर्षि वाल्मीकि जिन्हें आदि कवि और रामायण के रचयिता के रूप में सम्मानित किया जाता है कृ को समर्पित है। पाठ का समापन कल सुंदरकांड पाठ और आरती के साथ किया जाएगा। कार्यक्रम की शुरुआत मंगलाचरण और मंत्रोच्चारण के साथ हुई, जिसके पश्चात रामायण का पाठ आरंभ हुआ। पूरे परिसर में भक्ति और अध्यात्म की पावन ध्वनि गूंज उठी। शिक्षक, विद्यार्थी और कर्मचारीगण बड़ी आस्था और उत्साह के साथ इस आयोजन में सहभागी बने और मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम तथा महर्षि वाल्मीकि के उपदेशों से प्रेरणा प्राप्त की। इस अवसर पर एसकेडी ग्रुप ऑफ एजुकेशन के निदेशक श्री मनीष सिंह ने अपने संदेश में कहा "महर्षि वाल्मीकि का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उनका रूपांतरण

एक साधक से महर्षि तक यह दर्शाता है कि ज्ञान, भक्ति और सत्य के मार्ग पर चलकर जीवन को कैसे श्रेष्ठ बनाया जा सकता है। एसकेडी समूह में हम इन्हीं मूल्यों को अपने विद्यार्थियों में संचारित करने का प्रयास करते हैं ताकि वे समाज के प्रति उत्तरदायी और जागरूक नागरिक बन सकें।" यह आयोजन भारतीय संस्कृति, साहित्य और अध्यात्म की उस महान परंपरा का प्रतीक है जो प्रेम, करुणा और धर्म के मार्ग पर चलने का संदेश देती है। रामायण पाठ का समापन कल शांति, सद्भाव और सर्वकल्याण की कामना के साथ किया जाएगा।

बैठक मे डीआईओएस ने दिए आवश्यक निर्देश

अयोध्या। डीआईओएस डाक्टर पवन कुमार तिवारी की अध्यक्षता मे बोर्ड परीक्षा मानीटरिंग सेल की बैठक राजकीय इंटर कालेज परिसर मे सम्पन्न हुई।इस मौके पर कई बिंदुओं पर चर्चा की गई। इस मौके पर डीआईओएस डाक्टर तिवारी मैं वहां पर मौजूद कर्मियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।बैठक मे जीआईसी प्रधानाचार्य ओंकार नाथ, उप प्रधानाचार्य राजेश तिवारी,यूपी एजुकेशन मिनिस्ट्रियल ऑफिसर्स एसोशिएशन के जिला मंत्री प्रदीप कुमार,नीरज शुक्ला सहित जिले के राजकीय माध्यमिक विद्यालय के समस्त कार्यालय सहायक उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

चारों भाइयों का मिलन देख छलक पड़े आंसू

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। पण्डित जी का ऐतिहासिक भरत मिलाप रविवार को बड़े धूमधाम एवं आकर्षक झांकियों के बीच सम्पन्न हुआ । 14 वर्ष के बनवास बाद चार भाइयों का मिलन हुआ तो उपस्थित भक्त जनों की आंखें नम हो गईं। बनवास से लौटे भगवान श्रीराम, लक्ष्मण और माता सीता के अयोध्या आगमन पर पूरा इलाका प्रफुल्लित हो उठा । नगर को विद्युत के आकर्षक झालरों, रंग बिरंगी दूधिया रोशनी से सजावट देखते ही बन रही थी। लाग के रूप में 30 आकर्षक झांकियां घोड़े हाथी और ऊंट के साथ निकाली गई। भोर में भगवान राम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न 14 वर्ष के बनवास के बाद आपस में गले मिले तो लोगों की आँखे नम हो गईं। और भगवान श्री राम के जय कारे से पूरा इलाका गूंज उठा। इसके पहले नगर के अहिया पुर मोड़ से मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री रामचंद्र की शोभा यात्रा को नगर पालिका परिषद अध्यक्ष मनोरमा मौर्या ने नारियल फोड़ कर हरी झंडी दिखा कर लॉग और झाकियों को रवाना किया।आकर्षक ढंग तथा भव्य रूप से सजावट की गई रथ की सजावट पर डीजे साउंड के साथ मध्य रात्रि में निकाली गई। विभिन्न स्थानों से आई आकर्षक झांकियां चल रही थी। पुष्पक विमान रूपी राम रथ जिसमें मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम, सीता, लक्ष्मण विराजमान थे। यह शोभा यात्रा सम्पूर्ण नगर भ्रमण करते हुए भोर में ओलंदगंज में संपन्न हुई । शोभा यात्रा के आगे आगे चल रही काली मुखौटा के कलाकारों ने अपनी प्रतिभा का हैरत अंग्रेज प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के अंत में ऐतिहासिक भरत मिलाप में शामिल लॉग और झाकियों को सम्मानित किया गया। जौनपुर के मुन्ना लाल को प्रथम लॉग के रूप में पूर्व विधायक सुरेंद्र प्रताप सिंह के हाथों से सम्मानित किया गया। द्वितीय पुरस्कार कन्हैया लाल तथा तृतीय शीतला प्रसाद को दिया गया। वाराणसी से आयी हुयी लॉग गंगा अवतरण को प्रथम, भरत मिलाप को द्वितीय एवं नाग नथैया को तृतीय पुरस्कार के रूप में सम्मानित किया गया। झांकी में प्रथम पुरस्कार वाराणसी को तथा द्वितीय पुरस्कार राम सिंह मौर्या जौनपुर को, महिषासुर को तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। गेट सजावट में प्रथम पुरस्कार चौत्र नवरात्र मंदिर मां काली मंदिर सब्जी मंडी, द्वितीय पुरस्कार चहारसू चौराहा, तृतीय पुरस्कार इंद्रा मार्केट को दिया गया। इसके अलावा संस्था की ओर से विभिन्न समिति, अखाड़ा व निरंतर सहयोग करने वाले कार्यकर्ताओं को पुरस्कृत कर उनका सम्मान बढ़ाया गया। कार्यक्रम के अंत में रामलीला भरत मिलाप कमेटी के अध्यक्ष रमेश सेठ ने भरत मिलाप को सकुशल संपन्न कराने में प्रशासन, नगर पालिका परिषद, बिजली विभाग के साथ साथ जनता का आभार व्यक्त किया।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मसौधा पर बैठक सम्पन्न

अयोध्या। सोमवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मसौधा मे अधीक्षक डॉक्टर प्रदीप कुमार की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न हुई।इस मौके पर यूनिसेफ के ब्लॉक प्रतिनिधि और विश्व स्वास्थ्य संगठन के ब्लॉक प्रतिनिधि आंगनवाड़ी विभाग के ब्लॉक प्रतिनिधि द्वारा प्रतिभा किया गया।बैठक में अधीक्षक द्वारा निम्नलिखित बिंदुओं पर गहनता से अपने टीम सदस्यों के साथ समीक्षा किया गया।बैठक मे यूनिसेफ के ब्लॉक प्रतिनिधि धीरेंद्र नाथ पाण्डेय द्वारा बताया गया विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान में ब्लॉक के समस्त सफाई कर्मियों का ग्राम विकास अधिकारियों का सभी पंचायत सहायकों का सभी ग्राम प्रधानों का नगर पंचायत भादरसा के सभी वार्ड मेंबरों का सभी सफाई कर्मियों का सभी सफाई नायकों का सभी एनम का और सभी आशा बहू का अभिमुखीकरण का कार्यक्रम संपन्न किया जा चुका है।बृहस्पतिवार को यानी 9 अक्टूबर को समस्त आंगनबाड़ी वर्कों का अभिमुखीकरण प्रस्तावित है।इस अवसर पर स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी द्वारा घर–घर दस्तक 11 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक चलने वाले विषय पर बताया गया कि आंगनबाड़ी और आशाओं द्वारा संयुक्त भ्रमण किया जाएगा।ब्लॉक कम्युनिटी प्रक्रिया मैनेजर अर्चना सिंह द्वारा बताया गया कि सभी आशाओं को शासन के मानसा के अनुरूप विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान के कार्यक्रम को सत प्रतिशत सफल बनाना है।विश्व स्वास्थ्य संगठन के ब्लॉक प्रतिनिधि राजमणि यादव द्वारा ब्लॉक रिस्पांस टीम पुनर्गठन करने पर जोर दिया गया।

इस बार चित्रगुप्त की शोभा यात्रा ऐतिहासिक होगी – दयाल शरण

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर अखिल भारतीय चित्रांश महासभा जौनपुर की एक आवश्यक बैठक विजय श्रीवास्तव के आवास पर जिला अध्यक्ष दयाल सरन श्रीवास्तव के नेतृत्व में हुआ ।बैठक में आगामी 23 अक्तूबर भगवान श्री चित्रगुप्त जी महाराज की पूजा अर्चना एवं बारीनाथ मठ से निकलने वाली शोभायात्रा को सफल बनाने हेतु तैयारी के बारे में चर्चा हुई ।इस मौके पर अध्यक्ष दयाल शरण श्रीवास्तव ने कहा कि इस बार ये शोभा यात्रा ऐतिहासिक होगी ।समाज के सभी लोग इस यात्रा में शामिल हो पूजा करे ।किसी की बहकावे में न आए अपने भगवान की पूजा करे ।मौके पर उपस्थित समिति के लोगो ने इसका समर्थन किया और कहा है हम सब शोभा यात्रा को लेकर उत्साहित हैं और पूरे मनोवेग से इस सफल बनाएंगे ।जल्द ही हम लोग शहर के विभिन्न क्षेत्रों में लोगो से जनसंपर्क कर ज्यादा से ज्यादा लोगों को इस शोभा यात्रा में शामिल होने का आग्रह करेंगे ।वही महासचिव ध्राष्ट्रीय प्रवक्ता विश्व प्रकाश श्रीवास्तव ने कहा कि भगवान चित्रगुप्त जी की पूजा सभी लोग करे जो भी कलम का का प्रयोग करते हैं उन सभी को हमारे आराध्य देव चित्रगुप्त जी महाराज का पूजन अवश्य करना चाहिए ।भगवान जी पूरे संसार के पूज्य हैं ।सभी लोग मिलकर भगवान की शोभा यात्रा में शामिल होकर एकता का परिचय दे ।कार्यक्रम का संचालन महासचिव विश्व प्रकाश श्रीवास्तव ने किया ।इस मौके पर अनुपम श्रीवास्तव विजय श्रीवास्तव,मयंक श्रीवास्तव,कमलेश श्रीवास्तव,अरुण श्रीवास्तव,दीपक श्रीवास्तव, शैलेंद्र मोहन अजय श्रीवास्तव ,आदि लोग मौजूद रहे।

मिशनशक्ति के तहत पालिका की 16 महिला व 28 पुरुष सफाई कर्मियों के स्वास्थ्य की जांच हुई

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)

मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत मंगलवार को को नगर पालिका परिषद पिहानी की महिला सफाई मित्रों और सफाई कर्मियों के लिए स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए गए। शिविर में 16 महिला कर्मियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। 28 पुरुष सफाई कर्मियों ने भी अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराया। डिप्टी सीएम ओ सीएचसी प्रभारी डॉक्टर जितेंद्र श्रीवास्तव के निर्देशन में चिकित्सकों ने आवश्यकता अनुसार मुफ्त दवाइयां उपलब्ध कराईं। डॉ जितेंद्र श्रीवास्तव ने कि मिशन शक्ति के तहत महिला सफाई मित्रों और कर्मियों की जांच की गई । उन्होंने कहा कि परिस्थितियों को देखते हुए समय–समय पर ऐसे स्वास्थ्य शिविर जरूरी हैं। इस प्रयास से स्वास्थ्य सुरक्षा के साथ–साथ महिला कर्मियों में जागरूकता और आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। डॉ जितेंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि

महिला के लिए 30 की उम्र का दशक जीवन का एक महत्वपूर्ण पड़ाव होता है। इस दौरान वे करियर, परिवार और अन्य कई जिम्मेदारियों को एक साथ निभा रही होती हैं, लेकिन इस भागदौड़ में अक्सर वे अपनी ही सेहत को नजरअंदाज कर देती हैं। छोटी–मोटी स्वास्थ्य समस्याओं को वे थकान या तनाव मानकर टाल देती हैं।30 की उम्र के बाद शरीर में कई हार्मोनल और अन्य बदलाव शुरू हो जाते हैं, जो भविष्य में गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ा सकते हैं। इसलिए, इस उम्र से श्प्रिवेंटिव हेल्थकेयरश यानी बीमारियों से बचाव के लिए स्वास्थ्य जांच को अपनाना बेहद जरूरी है। समय पर मेडिकल टेस्ट कराने से किसी भी गंभीर बीमारी को शुरुआती चरण में ही पकड़ा जा सकता है, जिससे इलाज आसान और सफल हो जाता है।

सीता मैया वन गमन, लवकुश कांड का मंचन देख भाव विभोर हुए भक्त

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर ,07 अक्टूबर । उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले के जफराबाद क्षेत्र अंतर्गत श्री दया नारायण लीला समिति के तत्वावधान में कबुलपुर बाजार में चल रही रामलीला में सोमवार की रात में कलाकारों ने सीता मैया लवकुश कांड का दृश्य का मंचन किया गया। समिति के कलाकारों द्वारा दिखाया गया।

जब भगवान राम के आदेश पर नगर निरीक्षकों ने माता सीता को जंगल में छोड़ा तो दर्शक भाव–विभोर हो गए ।सीता माता जंगल में आत्महत्या करने को जाती है तो महर्षि वाल्मीकि उन्हें रोकते हैं और सीता को अपने आश्रम में ले आते हैं। आश्रम में लवकुश का जन्म होता है। वाल्मीकि उन्हें धनुष विद्या सीखाते हैं और सीता चरित्र सुनाते हैं।उधर भगवान राम अश्वमेघ यज्ञ का घोड़ा छोड़ते हैं और लवकुश उसे पकड़ लेते हैं। युद्ध में जब सब हार जाते हैं तब भगवान राम स्वयं लवकुश से युद्ध करने आते हैं। तब महर्षि वाल्मीकि लवकुश को बताते हैं कि यहीं आपके पिता हैं। तब सभी का मिलन होता है। भगवान राम सीता की अग्नि परीक्षा लेने की बात करते हैं और सीता धरती मां में समा जाती है। इस दृश्य को देखकर कई महिलाओं के आंसू आ गए। राम की भूमिका उमा नाथ यादव,लक्ष्मण की भूमिका भूपेश श्रीवास्तव, भरत अजय बेनवंशी, शत्रुघ्न अंकित श्रीवास्तव, सीता छोटू बेनवंशी, लव आयुष चौहान, लवनासुर राम आसरे मिश्रा ,कुश आदित्य।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9415034002
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।